हा-हा! ही-ही!! हू-हू!!!

• सुखवंत



हामिद—"मैंने पेट्रोल की बचत करने वाली गोलियां बनाई हैं।"

आसिफ—"क्या उन्हें पेट्रोल में मिलाया जाता है?"

हामिद—"नहीं, मोटर के मालिक को एक खानी पड़ती है जिससे उसकी तबीयत खराब हो जाती है और वह मोटर चलाने योग्य नहीं रहता। इससे पेट्रोल की बचत हो जाती है।"

☆ ☆ ☆ ☆



एक महिला अपनी सहेली के पास पहुंची, छोटे बच्चे को देखकर सहेली ने कहा- "इसकी आँखें बिल्कुल माँ की हैं।"

माँ बोली- "और माथा बाप का।"

बच्चे का बड़ा भाई बोल उठा- "और पतलून बड़े भाई की।"

★ ☆ ☆ ★

एक मंत्री महोदय चुनाव से पहले एक गांव में गये जहां बहुत अधिक गंदगी थी, उन्होंने गांव वालों से पूछा-

"क्यों भाई, यहां इतनी गन्दगी क्यों है, कोई सफाई कर्मचारी नहीं आता है क्या?"

गांव वालों ने उत्तर दिया—

"आता है श्रीमान्, परन्तु हर पांच बरस के बाद।"

☆ ☆ ☆ ☆

दो चीलें आकाश में उड़ रही थीं कि इतने में पास से एक जेट जहाज़ धुआं छोड़ते हुआ निकल गया। एक मादा चील ने जब यह देखा तो बोली-

"यह चिड़िया बहुत तेज जा रही है, काफी जल्दी में लग रही है।"

"यदि तुम्हारी दुम में आग लगी होती तो तुम भी इतनी ही तेजी से जातीं।" नर चील ने उत्तर दिया।

☆ ☆ ☆ ☆

एक पादरी शराब के विरोध में भाषण दे रहे थे। उन्होंने कहा- "दोस्तो, शराब हमारी सबसे बड़ी दुश्मन है।"

तुरन्त एक पियक्कड़ ने टोका- "पर महाशयजी, कल आप ही ने बताया था कि अपने शत्रु को भी गले से लगाना चाहिए।"

पादरी ने मुस्करा कर कहा- "हां-हां, मैंने जरूर कहा था। पर दुश्मन को गले लगाने की बात कही थी न जनाब, यह तो नहीं कहा था कि आप उसे निगल जाइए।"

☆ ☆ ☆ ☆

पति—"लगता है हम किसी बात पर सहमत नहीं हो सकते।"

पत्नी—"जी हां एक बात पर हो सकते हैं।"

पति—"किस बात पर?"

पत्नी—"इसी बात पर कि हम लोग किसी बात पर सहमत नहीं हो सकते।"

☆ ☆ ☆ ☆

एक महिला ज्योतिषी के पास गई। ज्योतिषी ने दो सवाल पूछने की फीस पचास रुपये वसूल करके महिला को सवाल करने की अनुमति दी तो आश्चर्यचकित महिला ने कहा- "परन्तु केवल दो प्रश्न पूछने की फीस के लिए यह रकम बड़ी नहीं है?"

"जी हां, यह रकम बड़ी है।" ज्योतिषी ने कहा—"दूसरा सवाल पूछिए।"

☆ ☆ ☆ ☆

रात के समय एक शराबी ने पुलिस स्टेशन पर फोन किया और घबराते हुए रिपोर्ट लिखवायी- "मेरी कार का क्लच, एक्सीलेटर स्टेयरिंग, डैश बोर्ड इत्यादि चोरी हो गये हैं।"

पुलिस स्टेशन से एक पुलिस ऑफीसर ने जल्दी तलाश करने का वादा किया परन्तु थोड़े समय के बाद शराबी ने फिर फोन किया- "मैं गलती से पिछली सीट पर बैठ गया था।"

☆ ☆ ☆ ☆

वण दे रहे थे।
बसे बड़ी दुश्मन

रर महाशयजी,
ात्रु को भी गले

मैंने जरूर कहा
ात कही थी न
ाप उसे निगल

☆

र सहमत नहीं हो

कते हैं।''

किसी बात पर

☆

तिषी ने दो सवाल
हिला को सवाल
महिला ने कहा-
ए यह रकम बड़ी

ने कहा—''दूसरा

☆

स्टेशन पर फोन
यी- ''मेरी कार
र्ड इत्यादि चोरी

फीसर ने जल्दी
ई समय के बाद
से पिछली सीट

☆

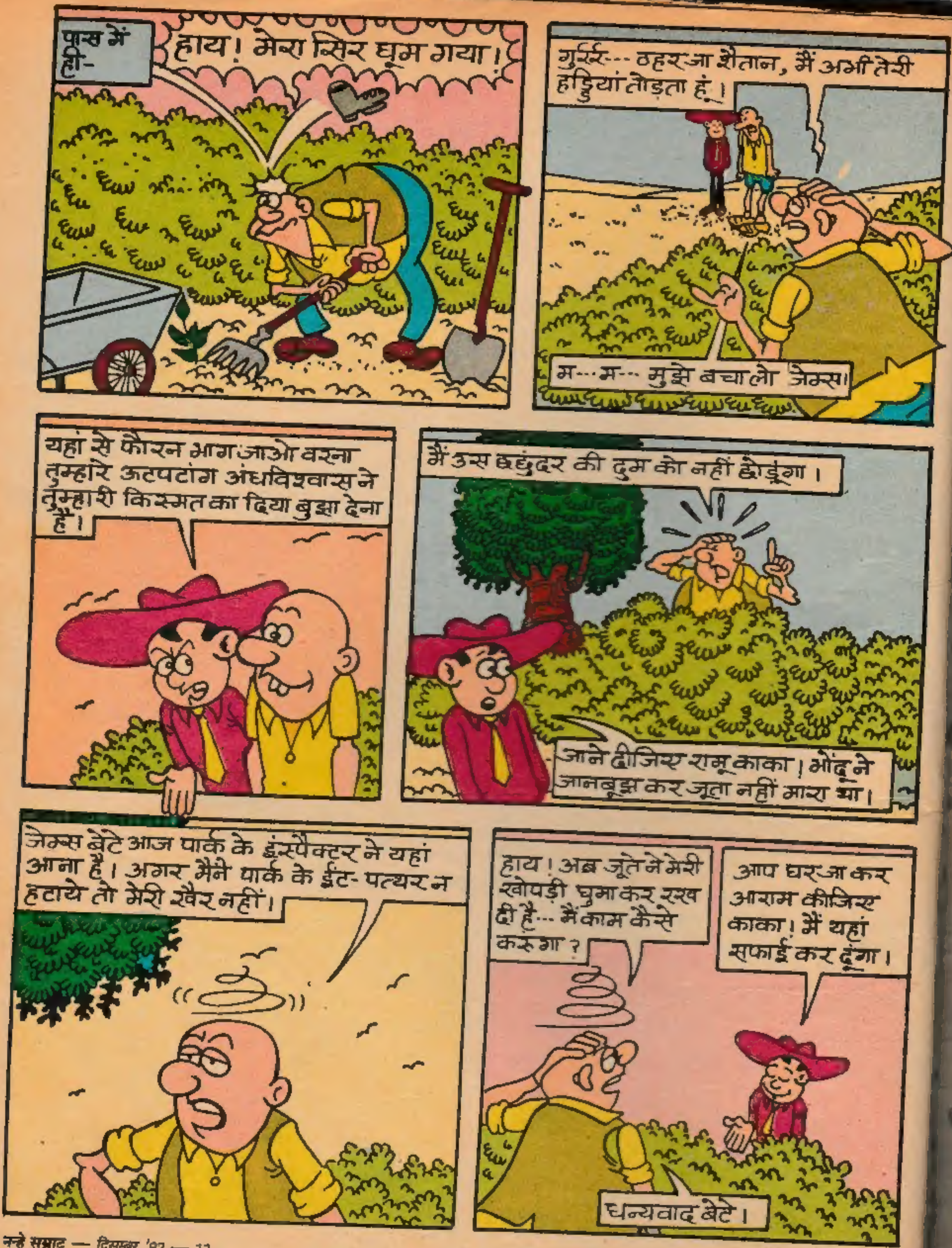
सीक्रेट एजेन्ट 005

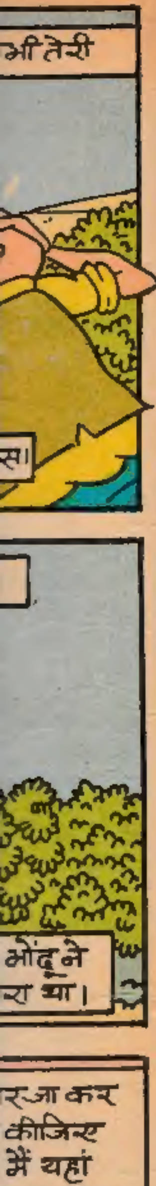
जूनियर जेम्स बांड

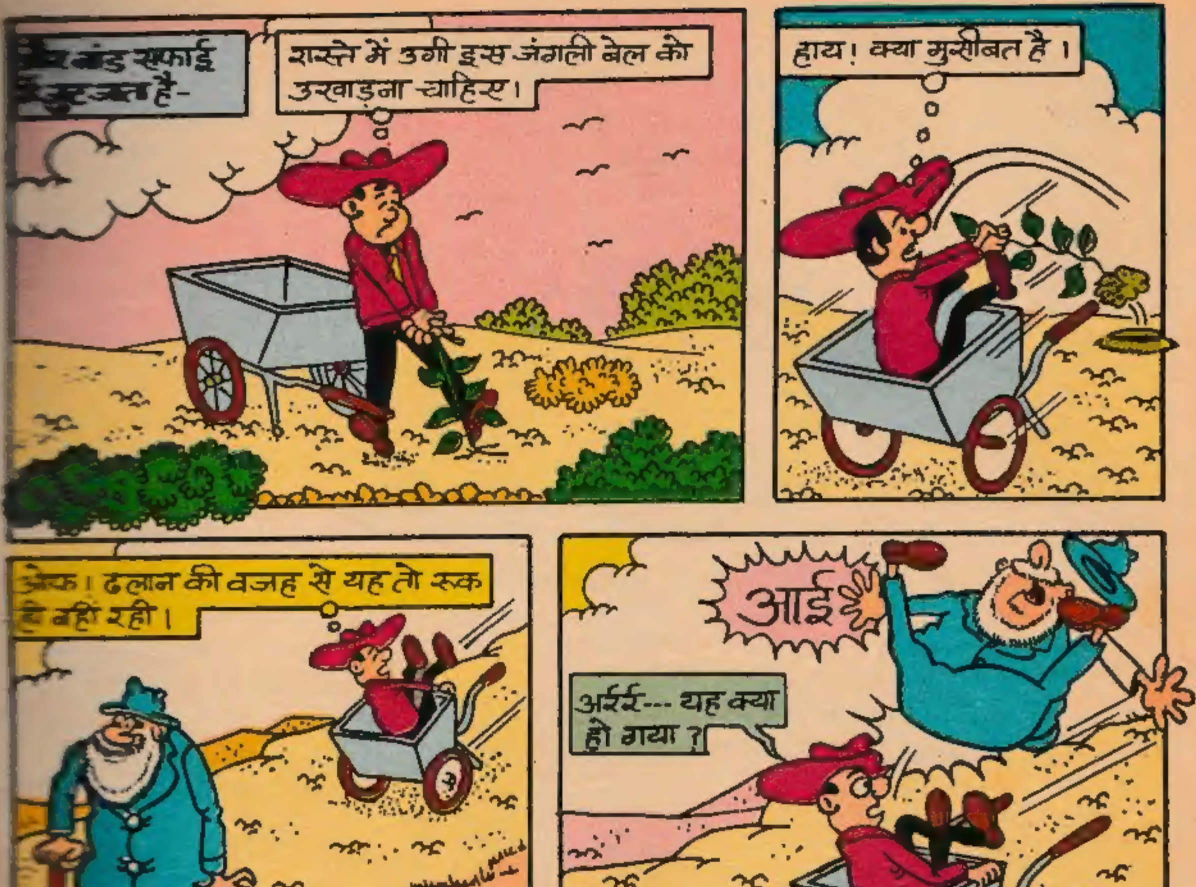
सुखवंत

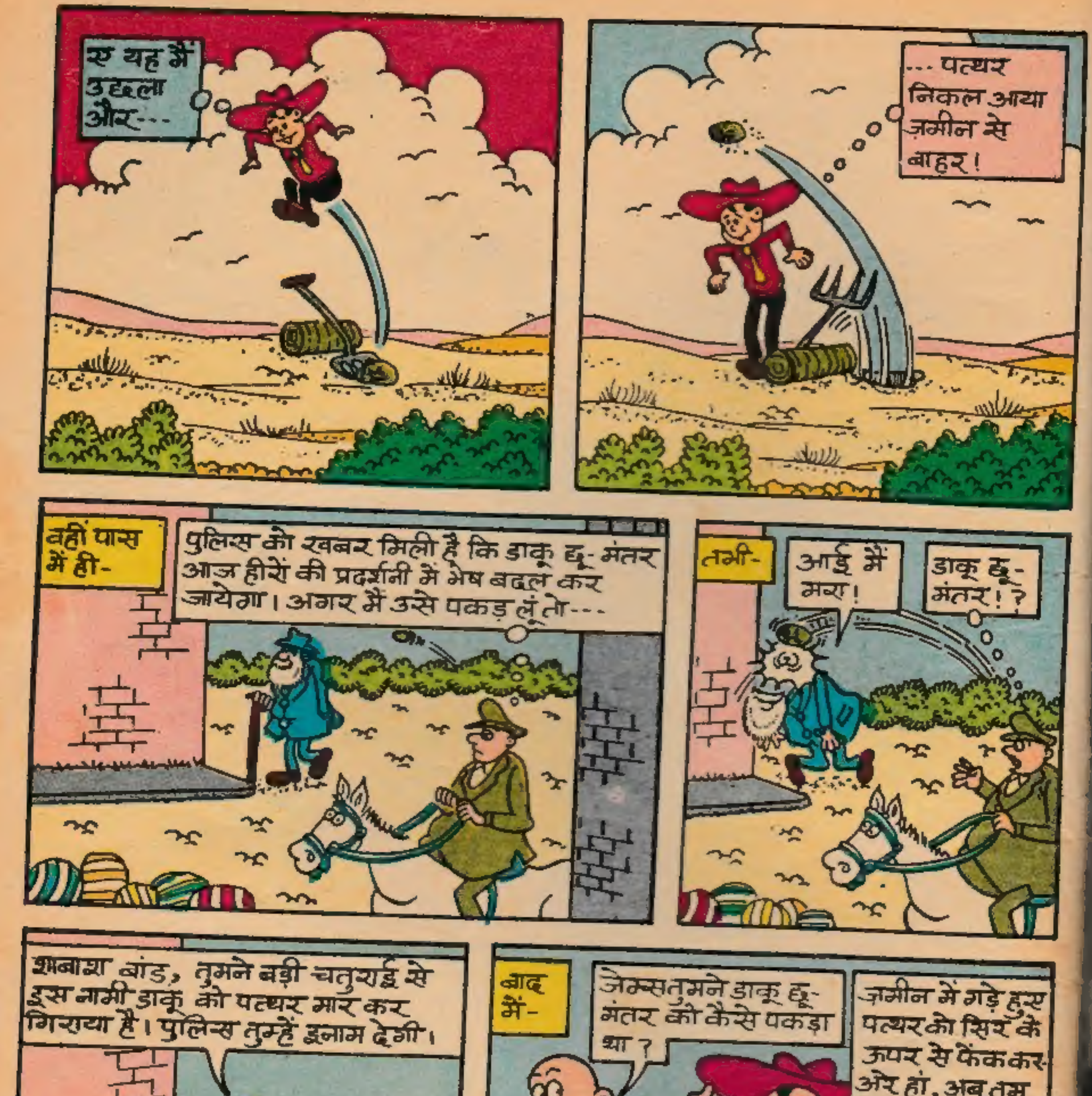
डाकू-छू-मंतर




पास में ही-
हाय! मेरा सिर घूम गया!
गुर्रर्र--- ठहर जा शैतान, मैं अभी तेरी हड्डियां तोड़ता हूं।
म---म--- मुझे बचा लो जेम्स।
यहां से फौरन भाग जाओ वरना तुम्हारे ऊटपटांग अंधविश्वास ने तुम्हारी किस्मत का दिया बुझा देना है।
मैं उस छछुंदर की दुम को नहीं छोडूंगा।
जाने दीजिए रामू काका। भोंदू ने जानबूझ कर जूता नहीं मारा था।
जेम्स बेटे आज पार्क के इंस्पैक्टर ने यहां आना है। अगर मैंने पार्क के ईंट-पत्थर न हटाये तो मेरी खैर नहीं।
हाय! अब जूते ने मेरी खोपड़ी घुमा कर रख दी है--- मैं काम कैसे करूंगा?
आप घर जा कर आराम कीजिए काका! मैं यहां सफाई कर दूंगा।
धन्यवाद बेटे।




बांड सफाई
है-
रास्ते में उगी इस जंगली बेल को उखाड़ना चाहिए।
हाय! क्या मुसीबत है।
ढलान की वजह से यह तो रुक ही नहीं रही।
आई
अर्रर्र--- यह क्या हो गया?
की दुम! मैं तेरी खड़ी कर
मैं तेज़ी से भागूं!
दस मिनट की दौड़-भाग के बाद बांड फिर से पार्क में आ कर अपने काम में जुट जाता है।
यह पत्थर बहुत बुरी तरह से ज़मीन में धंसा है, मैं इसे अपनी तरकीब से निकालूं।



ए यह मैं उछला और---
--- पत्थर निकल आया ज़मीन से बाहर!
वहीं पास में ही-
पुलिस को खबर मिली है कि डाकू छू-मंतर आज हीरों की प्रदर्शनी में भेष बदल कर जायेगा। अगर मैं उसे पकड़ लूं तो---
तभी-
आई मैं मरा!
डाकू छू-मंतर!?
शाबाश बांड, तुमने बड़ी चतुराई से इस नामी डाकू को पत्थर मार कर गिराया है। पुलिस तुम्हें इनाम देगी।
बाद में-
जेम्स तुमने डाकू छू-मंतर को कैसे पकड़ा था?
ज़मीन में गड़े हुए पत्थर को सिर के ऊपर से फेंक कर- अरे हां, अब तुम इसे अंधविश्वास समझ कर अपने सिर के ऊपर से पत्थर मत फेंकने लगना।

• मीरा

में यह सब क्या और

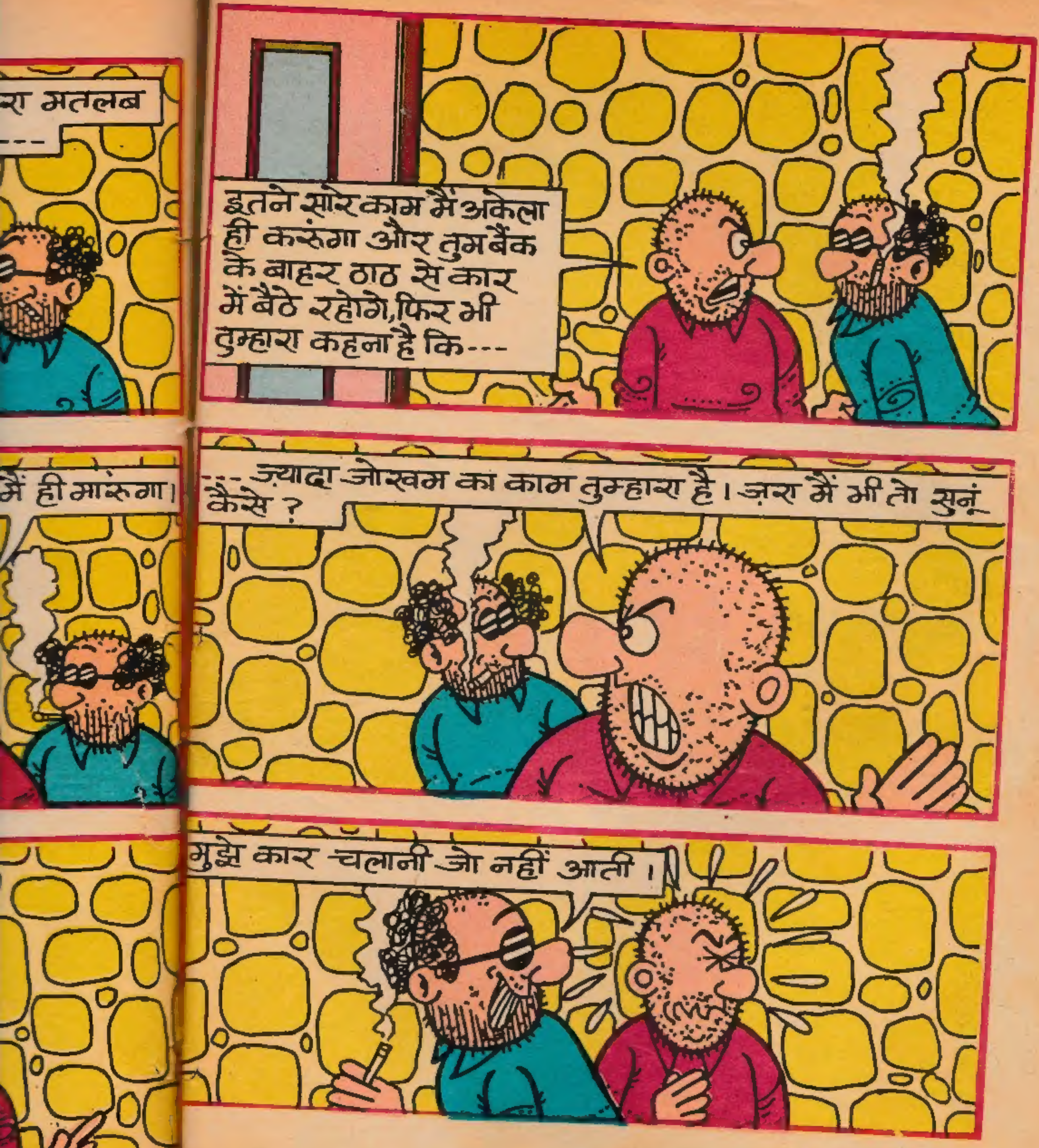
जॉन के घर में इस तरह
के सामने ही मेज़ दो टुकड़
और घर के छोटे सामानों
कि इस प्रकार के हादसों
फिर भी घर के सभी सद

रोज़मेरी ने एक ऐसे व्य
को छुटकारा दिलाता था
दम्पति के घर में आकर
कुछ ही मिनटों में कमरे
आप ही ज़ोर-ज़ोर से खु
रहा था। मानों प्रेतात्मा
कुछ ही पल बाद वहां सब
चीज़ों का हवा में उड़ना
बंद हो गया।






एक बात खास तौर से याद रखना। ज़्यादा जोखम का काम मेरा होगा।
वाह! क्या कहने ? तुम्हारा मतलब है कि मैं बैंक में घुसूंगा ---
---जो कोई भी मेरे रास्ते में आयेगा उसे मैं गोली मारूंगा।
कैशियर को भी मैं ही मारूंगा।
और फिर सारा माल भी मैं ही समेटूंगा।


रा मतलब

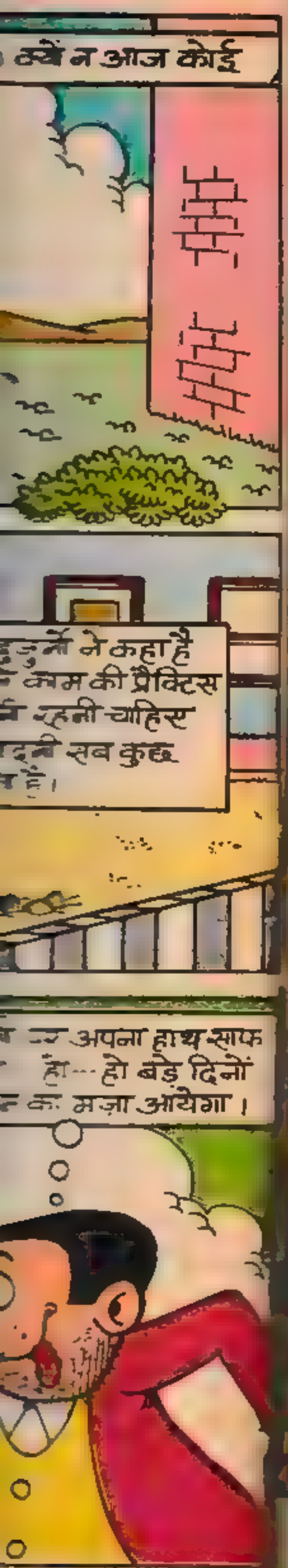
मैं ही मारूंगा।
इतने सारे काम मैं अकेला ही करूंगा और तुम बैंक के बाहर ठाठ से कार में बैठे रहोगे, फिर भी तुम्हारा कहना है कि---
---ज़्यादा जोखम का काम तुम्हारा है। ज़रा मैं भी तो सुनूं कैसे ?
मुझे कार चलानी जो नहीं आती।

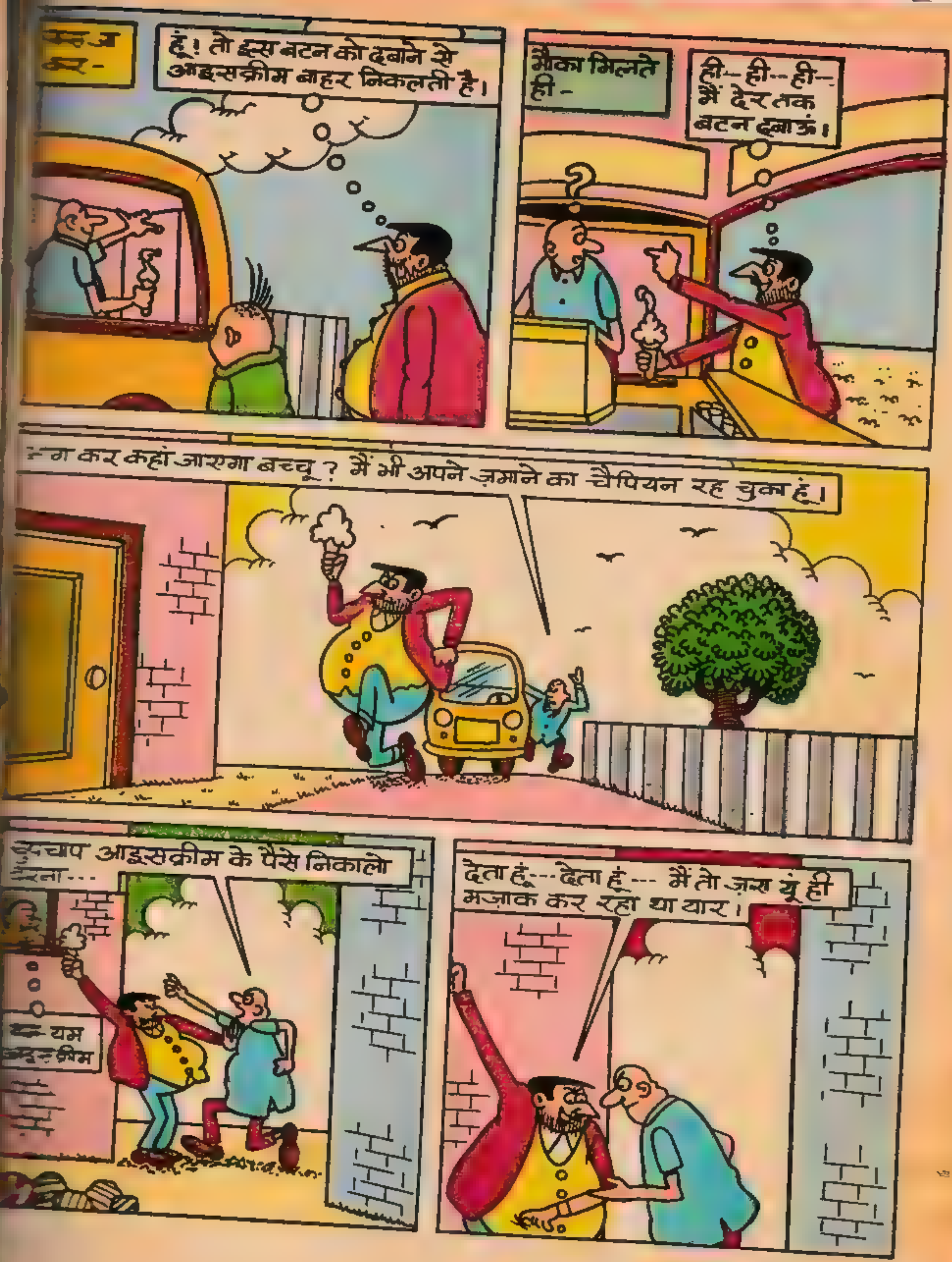

मूर्खिस्तान
चेतावनी – मूर्खिस्तान में अक्ल का इस्तेमाल करना क़ानूनन जुर्म है!
सारे जहां से महान, हमारा प्यारा मूर्खिस्तान!
राष्ट्रीय ध्वज
राष्ट्रीय पशु
राष्ट्रीय फूल
राष्ट्रीय खेल
राष्ट्रीय पर्व
मूर्ख दिवस 32 जुलाई
राष्ट्रीय मानचित्र
राष्ट्रीय गीत
राष्ट्रपति
सुखवंत
अगर तुम स्कूल में ठीक तरह से पढ़ाई नहीं करोगे तो बड़े होकर फ़िरौती मांगने वाले पत्र कैसे लिखोगे?
आपने अपनी ज़िंदगी भर की बातें अपनी आत्मकथा में लिख डालीं... पढ़कर मज़ा आया। अब आप दोबारा अपनी आत्मकथा कब लिखेंगे?
प्रश्न पेड़ का
मूर्खिस्तान में एक 50 वर्ष पुराना पेड़ है। उस पेड़ के तने में, ज़मीन से तीन फुट की ऊंचाई पर लल्लूराम एक कील ठोक देता है। पेड़ हर साल पांच इंच बढ़ता है। अब बताओ तीन साल बाद कील ज़मीन से कितना ऊंचा हो जायेगा?
गुर्रर्र... अब तुम शहर आ गए हो पोपटलाल। अपना खाना पोटली की बजाये टिफ़िन बॉक्स में लाया करो।
तुम रोज़ रात को दो-तीन बजे खाना खाने के लिए घर आते हो और मेरी नींद खराब करते हो। इसलिए आज से ड्यूटी पर जाते समय खाना साथ ले जाया करो।
जब आपने मुझे परी की मॉडलिंग के लिए चुना था तब यह नहीं बताया था कि आप मूर्ति इस जगह पर बनायेंगे।
बोलते अक्षर
अखरण
डॉलर
गिटार
कैमरा
घास

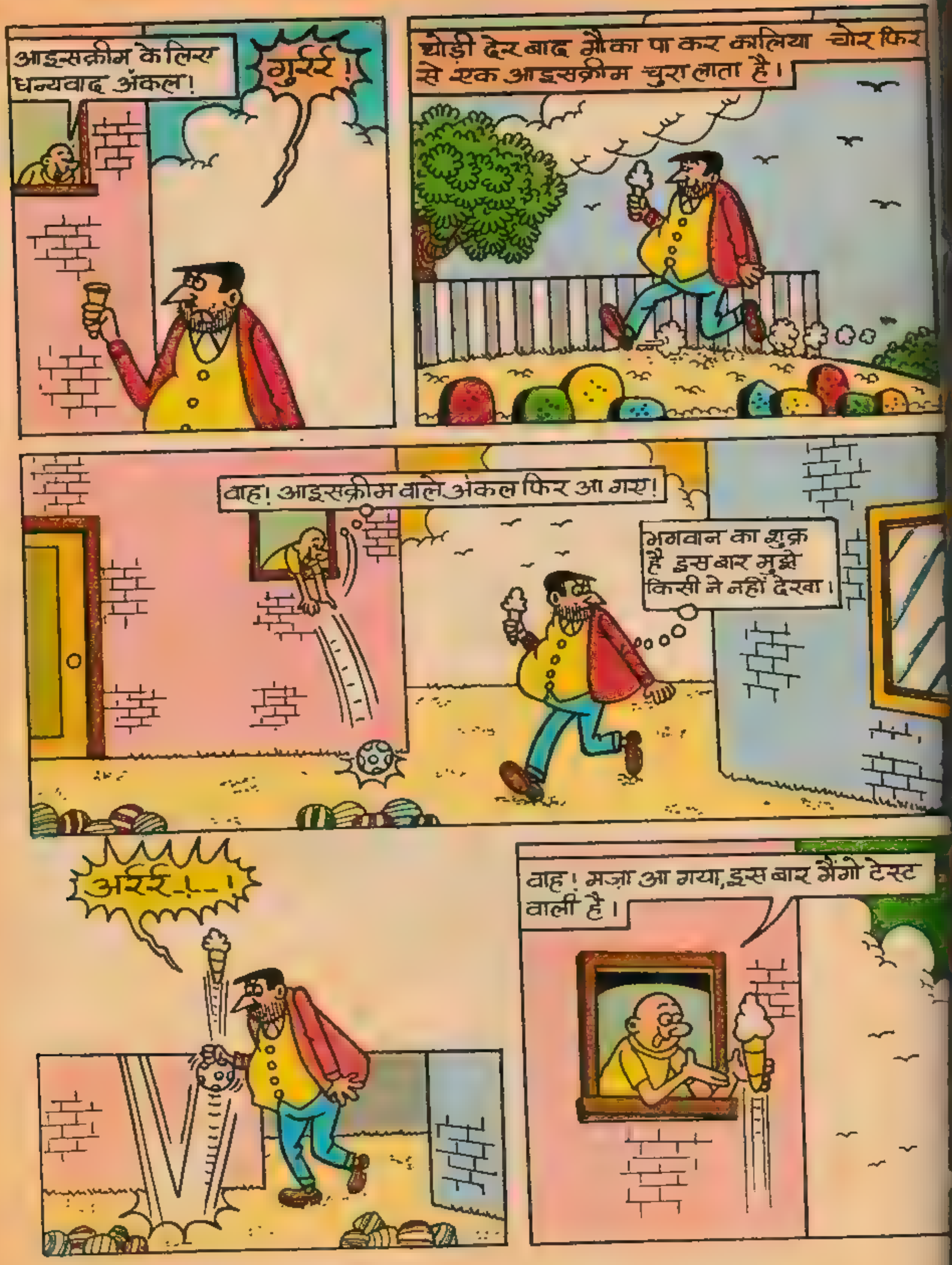

राष्ट्रीय गीत
राष्ट्रपति
सुखवंत
घास


ऊलजलूल प्रश्नों के ऊलजलूल उत्तर
बच्चा, तुम अपना भविष्य जानना चाहते हो?
मैं एंड पहले ही जानकर अपने जीवन की रहस्यमय फ़िल्म का मज़ा नहीं करना चाहता।
तुम अखबार पढ़ रहे हो?
नहीं, मैंने सुना है कि अखबार पकड़ कर सुबह यूं बैठे रहने से किस्मत चमक जाती है।
रीमा, तुमने अपने लंबे बाल कटवा कर छोटे कर लिए हैं?
नहीं, मेरे बाल ठंड के मौसम के कारण सिकुड़ गए हैं।
मूर्खिस्तान के भाषा विज्ञान के विद्वानों की विशेष खोज-
क्या कहती हैं ये निर्जीव वस्तुएं?
फुटबॉल- ज़िंदगी भर ठोकरें खाना ही मेरी किस्मत में लिखा है।
बैट- मैंनें बहुतों के छक्के छुड़ाए हैं।
बैडमिंटन चिड़िया से- तुम हमेशा पाला बदलती रहती हो, इसलिए हमारी तुम्हारी कभी नहीं पटेगी।
अंत में जज ने कहा- सच्चाई की अदालत में तो आप निर्दोष हैं लेकिन कानूनी अदालत के हिसाब से आपको दस साल की सज़ा भुगतनी पड़ेगी।
मूर्खिस्तान रिसर्च एंड डेवलपमेंट का नया आविष्कार-
डिश वॉशिंग मशीन

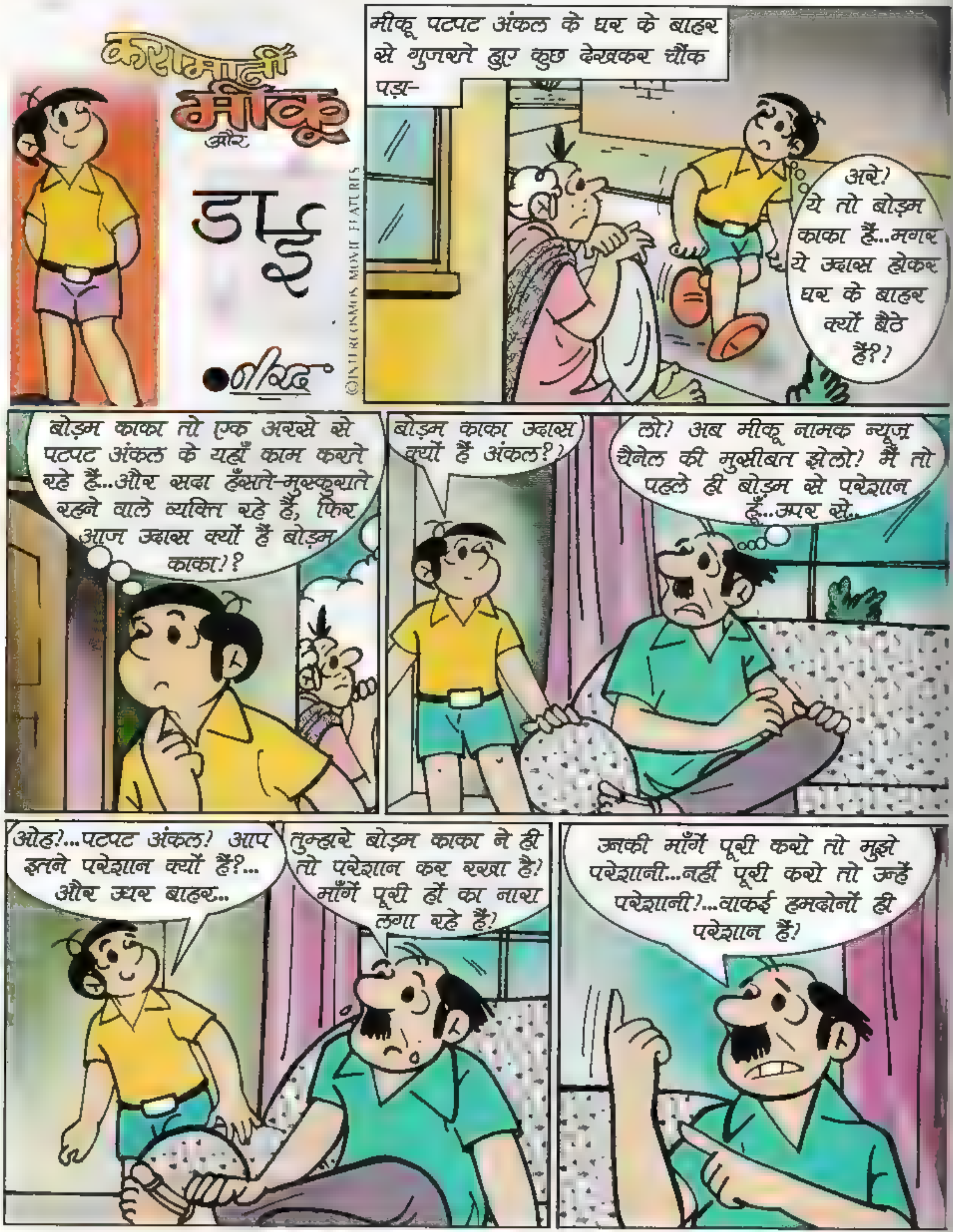

कालिया
चोर
बड़े दिन हो गए चोरी किए हुए। क्यों न आज कोई छोटी-मोटी चोरी कर डालूं ?
वैसे भी बुजुर्गों ने कहा है कि अपने काम की प्रैक्टिस हमेशा बनी रहनी चाहिए वरना आदमी सब कुछ भूल जाता है।
थोड़ी दूर जाने पर-
वाह! सामने आइसक्रीम वाला खड़ा है। यम-यम! मेरे मुंह में तो पानी भर आया है।
मैं तो आज इसी पर अपना हाथ साफ करता हूं। हो---हो---हो बड़े दिनों बाद आइसक्रीम का मज़ा आयेगा।


क्यों न आज कोई


हूं! तो इस बटन को दबाने से आइसक्रीम बाहर निकलती है।
मौका मिलते ही -
ही--ही--ही-- मैं देर तक बटन दबाऊं।
ग कर कहां जाएगा बच्चू ? मैं भी अपने ज़माने का चैंपियन रह चुका हूं।
चुपचाप आइसक्रीम के पैसे निकालो
देता हूं--- देता हूं --- मैं तो ज़रा यूं ही मज़ाक कर रहा था यार।


आइसक्रीम के लिए धन्यवाद अंकल!
गुर्रर!
थोड़ी देर बाद मौका पा कर कालिया चोर फिर से एक आइसक्रीम चुरा लाता है।
वाह! आइसक्रीम वाले अंकल फिर आ गए!
भगवान का शुक्र है इस बार मुझे किसी ने नहीं देखा।
अर्रर..!..!
वाह! मज़ा आ गया, इस बार मैंगो टेस्ट वाली है।


गुर्रर! मैं चिल्ला भी नहीं सकता क्योंकि मैं खुद चुरा कर ला रहा हूं।
मैं भी हार मानने वाला नहीं हूं। आज आइसक्रीम चुरा कर ही आऊंगा।
थोड़ी देर बाद -
ही...ही... ही... इस बार पिस्ते वाली आइसक्रीम पार कर के लाया हूं।
शैतान लड़के, इस बार मैं आइसक्रीम मीची कर के ले जाऊंगा ताकि तू कुछ न कर सके।
अंकल, मेरा दो आइसक्रीमों से पेट बहुत भर गया है।
चपर चपर
इसलिए इस बार मैंने नहीं, मेरे कुत्ते ने आपकी आइसक्रीम साफ कर दी। हो---हो---हो---।
हाय!
यम-यम--- मजा आ गया।


करामाती मीकू और
डाई
©INTERCOSMOS MOVIE FEATURES
मीकू पटपट अंकल के घर के बाहर से गुजरते हुए कुछ देखकर चौंक पड़ा–
अरे! ये तो बोड़म काका हैं...मगर ये उदास होकर घर के बाहर क्यों बैठे हैं?!
बोड़म काका तो एक अरसे से पटपट अंकल के यहाँ काम करते रहे हैं...और सदा हँसते-मुस्कुराते रहने वाले व्यक्ति रहे हैं, फिर आज उदास क्यों हैं बोड़म काका!?
बोड़म काका उदास क्यों हैं अंकल?!
लो! अब मीकू नामक न्यूज़ चैनेल की मुसीबत झेलो! मैं तो पहले ही बोड़म से परेशान हूँ...ऊपर से..
ओह!...पटपट अंकल! आप इतने परेशान क्यों हैं?... और उधर बाहर...
तुम्हारे बोड़म काका ने ही तो परेशान कर रखा है! माँगें पूरी हों का नारा लगा रहे हैं!
उनकी माँगें पूरी करो तो मुझे परेशानी...नहीं पूरी करो तो उन्हें परेशानी!...वाकई हमदोनों ही परेशान हैं!





ओह! इस न्यूज़ चैनेल को बताकर मैंने बहुत बड़ी गलती कर दी! ये तो और गड़बड़ देगा मामले को! मुझे इसे नहीं बताना चाहिए था! अब क्या करूँ! बूहूहूहू...
मैं आपकी समस्या समझ सकता हूँ पटपट अंकल, मगर जब तक आप पूरी बात नहीं बताएँगे, मैं आपकी कैसे मदद करूँगा!?
त-त-तुम्म!? और मेरी मदद?
मैं नाहक मीकू पर अविश्वास कर रहा हूँ...हो सकता है, यह मेरे लिए मददगार साबित हो! मुझे इसे पूरी बात बता देने में ही मेरी भलाई है!
अरे क्या बताऊँ मीकू, तुम्हारे ये बोड़म काका मुझ जैसे कंजूस से दो साल से अपनी तनख्वाह बढ़ाने की माँग कर रहे हैं! अब तुम्हीं बताओ, मैं क्या करूँ!?
ओह! तब क्या करेंगे?
करूँगा क्या? एक फूटी कौड़ी भी नहीं दूँगा...मेरी कंजूसी की नाक कट जाएगी! हर महीने दस... यानी साल में 120 रुपये का चूना!
वो तो ठीक है...आपकी नाक न कटे, पर महँगाई भी तो काफी बढ़ गई है! पेट काट कर बोड़म काका कैसे काम करेंगे पटपट अंकल?


पेट की बात नहीं, वह तो अपने बालों की बात करता है! वह तो अपनी माँग के समर्थन में सदा एक ही बात करता रहता है कि आपके यहाँ काम करते-करते मेरे काले बाल सफेद हो गए, पर तनख्वाह नहीं बढ़ी!
ओह! इतनी छोटी-सी बात! मैं एक धाँसू आइडिया बताता हूँ!
इसकी तरकीबों से मैं पहले भी बुरी तरह मात खाता आया हूँ, कहीं फिर मुझ पर ही न गाज गिरा दे यह चालू लड़का!
प्रॉब्लम सॉल्व!...आप मुझे केवल 200 रुपये दीजिए, आपकी समस्या हल करके बस आधे घंटे में आता हूँ!
हरेक साल 120 से अच्छा है 200...
ये लो!
आधे घंटे बाद मीकू वापस लौटा-
मैंने आपकी प्रॉब्लम सॉल्व कर दी है, अब बोड़म काका आपसे कभी तनख्वाह बढ़ाने की माँग नहीं करेंगे... एकदम नहीं!
अरे वाह! मगर तूने ऐसा कैसे कर दिखाया चूहे!?
वेरी सिंपल! मैंने बोड़म काका के बाल काले करवा दिए हैं!
गुर्रर्र
समाप्त



चेतावनी–मूर्खिस्तान में अक्ल का इस्तेमाल करना कानूनन जुर्म है।
मूर्खिस्तान™
सारे जहाँ से महान, हमारा प्यारा मूर्खिस्तान!
राष्ट्रीय ध्वज
राष्ट्रीय गीत
राष्ट्रीय पशु
राष्ट्रीय फूल
राष्ट्रीय पर्व- मूर्ख दिवस 32 जुलाई
फैक्स पर डाक टिकट ? ये फैक्स ज़रूर मूर्खिस्तान के राष्ट्रपति के यहाँ से आया होगा।
सर, यह शार्क मछलियाँ बहुत बड़ी खाऊ होती हैं। कुछ भी सामने आये, तुरंत चट कर जाती हैं।
मूर्खिस्तान म्यूज़ियम
कमाल है। कितना तेज़ खेल रहे हैं, जबकि ये लोग अपनी एक-एक टाँग गँवा चुके हैं।
नहीं मोटी भैंस, हमारी एयरलाइंस में कोई शिकायत विभाग नहीं है...समझीं।
मूर्खिस्तान एयरलाइंस
चलो बहनों, रेस हो जाये। देखते हैं उस पेड़ तक सबसे बाद में कौन पहुँचता है।
इंस्पैक्टर पोपट की जीप की लाल बत्ती और सायरन जब भी खराब होते हैं, तो वो इसी तरह से काम चलाते हैं।
पीं पूँ

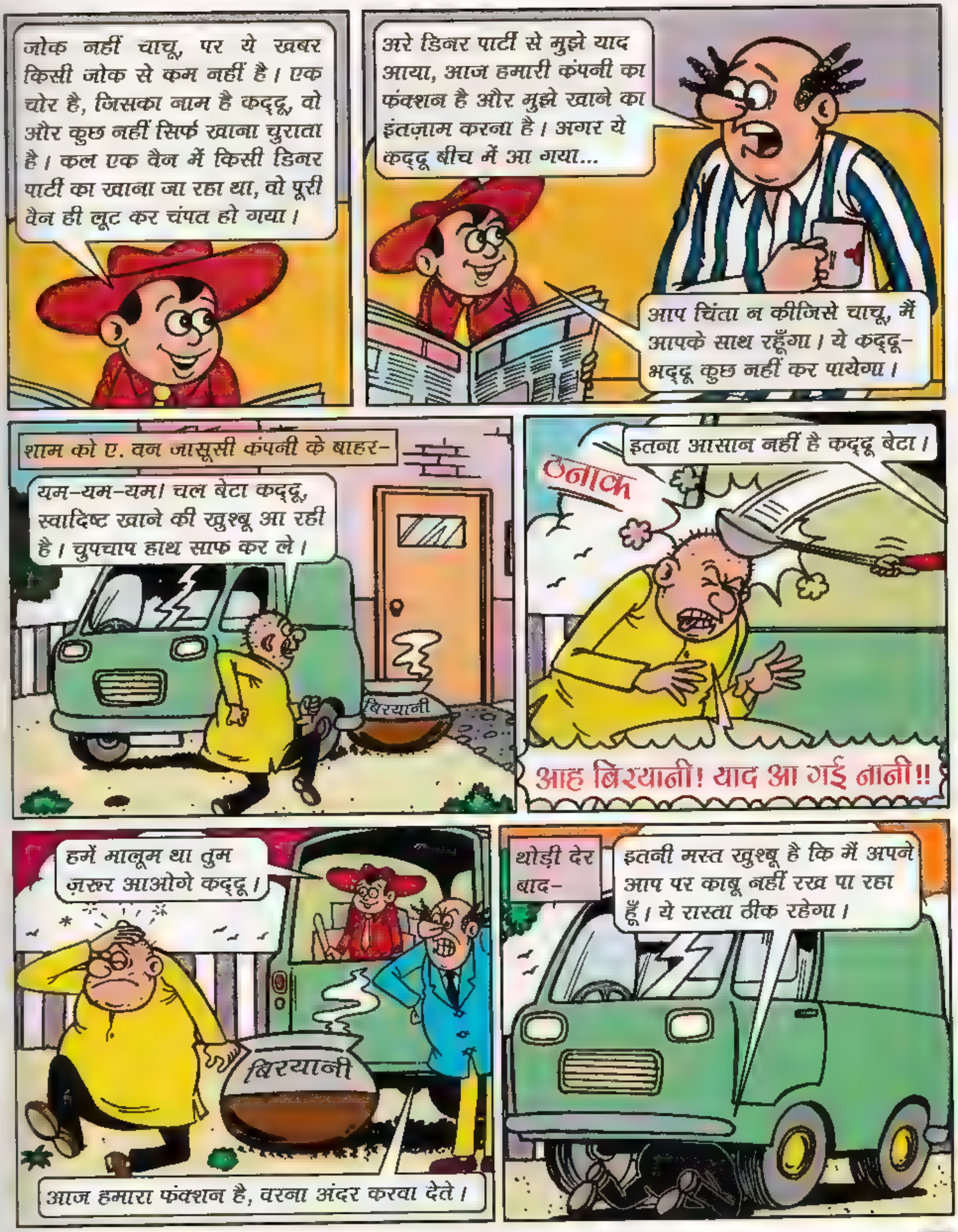
मूर्खिस्तान मौसम विभाग

मूर्खिस्तान में मौसम की सही जानकारी आप तक कैसे पहुँचती है, आइये देखते हैं उसकी एक झलक।




सीक्रेट एजेंट 005
सुखवंत
जूनियर जेम्स बाँड
पेटू चोर–मचाये शोर
चौधरी साहब, कल अपनी ए. वन जासूसी कंपनी का सिल्वर जुबली फंक्शन है। आपको खाने–पीने की चीज़ों का इंचार्ज बनाया जाता है।
आप निश्चिंत रहिये बॉस! ऐसी–ऐसी स्वादिष्ट चीज़ों का इंतज़ाम करूँगा कि लोग अपनी उंगलियों के साथ–साथ बगल वाले की उंगलियाँ भी चाट जायेंगे।
फिलहाल दिमाग चाटना बंद कर के बढ़िया इंतज़ाम की तरफ ध्यान दीजिये।
अगली सुबह–
ही...ही...ही...!
क्यों हँस रहे हो जेम्स, अखबार में कोई चुटकुला छपा है क्या?

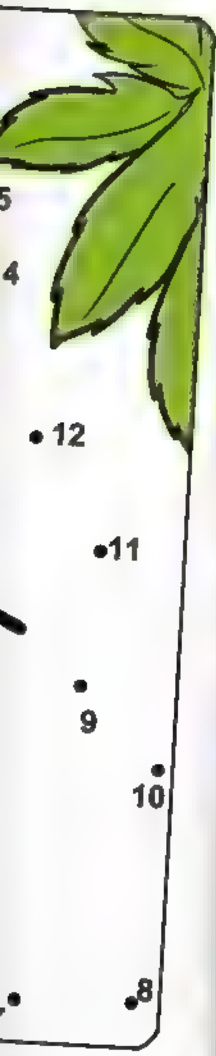



जोक नहीं चाचू, पर ये खबर किसी जोक से कम नहीं है। एक चोर है, जिसका नाम है कद्दू, वो और कुछ नहीं सिर्फ खाना चुराता है। कल एक वैन में किसी डिनर पार्टी का खाना जा रहा था, वो पूरी वैन ही लूट कर चंपत हो गया।
अरे डिनर पार्टी से मुझे याद आया, आज हमारी कंपनी का फंक्शन है और मुझे खाने का इंतज़ाम करना है। अगर ये कद्दू बीच में आ गया...
आप चिंता न कीजिये चाचू, मैं आपके साथ रहूँगा। ये कद्दू-भद्दू कुछ नहीं कर पायेगा।
शाम को ए. वन जासूसी कंपनी के बाहर-
यम-यम-यम। चल बेटा कद्दू, स्वादिष्ट खाने की खुश्बू आ रही है। चुपचाप हाथ साफ कर ले।
बिरयानी
इतना आसान नहीं है कद्दू बेटा।
ठनाक
आह बिरयानी! याद आ गई नानी!!
हमें मालूम था तुम ज़रूर आओगे कद्दू।
बिरयानी
आज हमारा फंक्शन है, वरना अंदर करवा देते।
थोड़ी देर बाद-
इतनी मस्त खुश्बू है कि मैं अपने आप पर काबू नहीं रख पा रहा हूँ। ये रास्ता ठीक रहेगा।


अब मैं ये दरवाज़ा खोल कर बाकी की पेटियाँ नीचे उतारूँ।
वाह! आस-पास कोई नहीं है।
ठाक
आह! मेरा मुँह टूट गया !!
बाज़ आ जाओ कद्दू वरना बहुत बुरा होगा। ये लास्ट वॉर्निंग है।
गर्रर... खाने की इतनी सारी वैराइटी सामने है और कद्दू उसे चुराये भी न... ये कभी हो सकता है भला ?
चल बेटा कद्दू, दो दिनों का इंतज़ाम हो ही गया।
काफी भारी बॉक्स है। यम-यम...पता नहीं क्या-क्या होगा इसमें!




बॉक्स की गाँठ खुलने लगती है–
अरे! यहाँ रखा बॉक्स कहाँ गया? बॉस को पता चला तो मुझे कच्चा ही चबा जायेगा। हे ऊपर वाले! मेरी मदद कर।
आ गई ऊपर वाले की मदद–
आई!
हाय मैं मरा! मेरा पैर ग्रिल में फंस गया!!
गर्रर! ये ज़रूर वही होगा।
हाय मेरा पैर!
मेरा शक सही निकला।
बूहूहू..!
हो...हो...हो...दूसरों की खुशियों में टाँग अड़ाने वाला आज खुद अपनी टाँग अड़ा बैठा है।



जोश में तो भला
भी आखिर जोश
ीखा। और खेल
माल होने लगे।
र पूरा ठलुआपुर
द नई-नई प्यारी
"अरे, यह सब
डर रहे थे?"
धन्यवाद देते,
ासकर मोटा तो
' नाम दूर-दूर
मोटे भैया आए
□□□

कम्प्यूटर वायरस




इंटरनेट से जुड़े सारे कंप्यूटर यूसर्स को चेतावनी दी जाती है कि वे 'आई हेट यू' नामक ईमेल को एक्सेस ना करें। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर जानकारी मिली है कि केवल बीस घंटे में पूरी दुनिया में दो हजार ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हो चुका है।
यह साधारण वायरस नहीं था। जल्दी ही इसका पता लग गया एक डॉट कॉम कंपनी में...
सर, सुबह से कई लोगों के फोन आ चुके हैं। वे कह रहे हैं कि उन्होंने 'आई हेट यू' नामक ईमेल नहीं खोली, फिर भी उनके कंप्यूटर में वह वायरस पहुंच चुका है। क्या जवाब दें सर?!?
इस खबर से बेखबर नहीं थी, विश्वप्रसिद्ध हॉल मेट्रस कंपनी। यह साफ्टवेयर की दुनिया में अग्रणी कंपनी थी।
कंप्यूटर अपने आप वायरसग्रस्त हो रहे हैं... ऐसा कैसे हो सकता है?! ओह...
अभय, यह तो तभी हो सकता है, जब कंप्यूटर स्वयं ही सोचने, समझने और निर्णय लेने की शक्ति हासिल कर ले!.. यह किसी चमत्कार से कम नहीं!
सर! रक्षा मंत्रालय ने अभी-अभी सनसनीखेज सूचना दी है कि परमाणुओं से लैस सारी मिसाइलों ने स्वयं ही अपनी दिशा बदल ली है और अब वह लॉन्चिंग के लिए तैयार हो गई हैं।
!
अब इस बात में कोई शक नहीं कि कोई कंप्यूटर स्वयं में निर्णय लेने की शक्ति उत्पन्न करके इंटरनेट के जरिए समस्त मानव जाति से नफरत को दर्शाते हुए दुनिया के सारे कंप्यूटर्स को अपने अधीन करना चाहता है। मतलब इस समय विश्व पर कंप्यूटर का राज हो चुका है।



कुछ समय बाद-
सर! यह सारा काम तो हमारी कंपनी का सुपर कंप्यूटर ही कर रहा है!! यह बात अभी पता चली है!
क्या!?
तो फौरन पहुचो उस कंप्यूटर रूम में, जहां वह कंप्यूटर इंस्टॉल है...हमें जल्दी से उसे ऑफ करना होगा!
मगर... यह क्या!
सर! कंप्यूटर रूम के सारे कंप्यूटराइज्ड दरवाजे खुद-ब-खुद सीलबंद हो गए हैं! आश्चर्य!!
अब हम कुछ नहीं कर सकते सर!
?!
एक रास्ता है..
कंप्यूटर बिजली के बिना नहीं चल सकता है...मैं अभी फोन करके पावर हाउस को...
नहीं सर, सुपर कंप्यूटर इतना बेवकूफ नहीं है कि वह बिजली घर को भूल जाए! उसने जरूर पावर कट नहीं किए जाने का इंतजाम कर रखा होगा!
बल्कि हमारी बिल्डिंग के मेन पावर स्विच के रूम का कंप्यूटराइज्ड डोर भी अपने-आप और आश्चर्यनुमा तरीके से बंद हो गया होगा!



सर!सर!! एक रास्ता अभी भी है!
सर, सारे कंप्यूटराइज्ड सिस्टम में वायरस जा चुका है, सिवाय टेलिफोन एक्सचेंज के कंप्यूटर्स के! क्योंकि...बिना टेलिफोन कनेक्शन के इतना शक्तिशाली सुपर कंप्यूटर चल ही नहीं सकता!
इसीलिए सुपर कंप्यूटर ने टेलिफोन के कंप्यूटराइज्ड सिस्टम को वायरस से नहीं बिगाड़ा है, क्योंकि इसके तहस-नहस होने से इंटरनेट प्रणाली भी ठप्प हो जाएगी और सुपर कंप्यूटर के सपने पर पानी फिर जाएगा!
जल्दी ही वायरसयुक्त सी०डी० टेलिफोन एक्सचेंज ले जाई गई।
टेलिफोन एक्सचेंज के कंप्यूटर्स में वायरस के पहुंचते ही पूरी इंटरनेट प्रणाली ठप्प पड़ गई।
ईमेल मैसेज भेज-भेजकर दुनिया के सारे कंप्यूटरों को बड़ी तत्परता व सावधानी से वायरसमुक्त किया जाने लगा।
जी तो करता है इस सुपर कंप्यूटर को चकनाचूर कर दूं! मानव ने इसे बनाया और अब हमें आंख दिखाता है!
तड़ाक
हमारी जीत हुई अभय! इससे साबित हो गया कि मानव से बड़ा कोई नहीं!
समाप्त


करामाती
मीकू
और
फीस
©INTERCOSMOS MOVIE FEATURES
मेरे मोबाइल पर कॉल...
रात में किसका फोन हो सकता है!?
अरे! ये तो केजी का है!
हलो केजी... क्या बात है डियर...?
तुम फौरन मेरे घर आ जाओ!
बस अभी आया!
मीकू तुरंत ही केजी के घर जा पहुँचा-
क्या बात है... रात को ऐसी क्या बात हुई?
दादा जी बहुत सीरियस हैं. लगता है, आखिरी साँसें गिन रहे हैं! और मैं घर में एकदम अकेली हूँ!



उन्हें हॉस्पीटल में भर्ती करना होगा!
एंबुलेंस को फोन करता हूँ!
अरे नहीं! नहीं!! तुम्हें तो मालूम है, दादा जी कितने कंजूस हैं..
एंबुलेंस और हॉस्पीटल का बिल देखकर दादा जी को फौरन हार्ट अटैक आ जाएगा...
तो क्या करें? घर पर डॉक्टर को कॉल पर बुला लें?
नहीं! डॉक्टर घर पर आने के बहुत पैसे लेगा और दादा जी सहन नहीं करेंगे!
पास के किसी डॉक्टर के पास दादा जी को ले चलते हैं!
हाँ, यह ठीक रहेगा केजी!
कॉलोनी मोड़ पर एक डॉक्टर हैं! सस्ती फीस है उनकी...वहीं ले चलते हैं! शायद कम फीस सुनकर दादा जी ठीक हो जाएँ!




केजी और मीकू दादाजी को लेकर नजदीक के डॉक्टर के पास पहुँचे-
पहले फीस तो पता कर लो बच्चों!
डॉक्टर साहब! मेरे दादा जी बीमार हैं...इनके इलाज के लिए कितनी फीस लेंगे??
घर पर जाकर 1000 रुपये, क्लीनिक में 500 रुपये और...
...और श्मशान घाट जाकर मरीज देखने के लिए मैं 100 रुपये फीस लेता हूँ!
गुर्रर्रर्रर्र!
वाह! गुड!!... तो फिर ठीक है डॉक्टर... आप फौरन श्मशान घाट पहुँचिए, मैं वहीं आता हूँ!



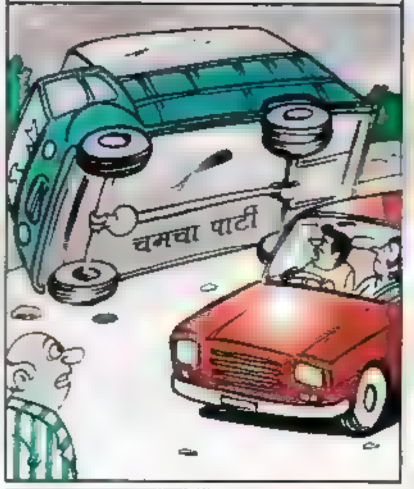
चेतावनी–मूर्खिस्तान में अक्ल का इस्तेमाल करना कानूनन जुर्म है।
मूर्खिस्तान™
सारे जहाँ से महान, हमारा प्यारा मूर्खिस्तान।
राष्ट्रीय ध्वज
राष्ट्रीय खेल
राष्ट्रीय गीत
राष्ट्रीय पशु
राष्ट्रीय फूल
राष्ट्रीय मानचित्र
राष्ट्रीय पर्व–मूर्ख दिवस, 32 जुलाई
सत्यमंतु
तुम रोज़ रात को दो–तीन बजे खाना खाने आते हो और मेरी नींद खराब करते हो। इसलिये आज से ड्यूटी पर जाते समय खाना साथ ले जाया करो।
बेटा, अगर तुम स्कूल में ठीक से पढ़ाई नहीं करोगे तो बड़े होकर फिरौती माँगने वाले पत्र कैसे लिखोगे?
जादू मंतर
अपराध
विज्ञान
मूर्खिस्तान लाइब्रेरी
आप डाकघर जाना चाहते है..? वो उस तरफ है।
इस आदमी का ध्यान रखना, यह गम भुलाने के लिये शराब पीता है। और पीने के बाद बिल के पैसे चुकाना भी भूल जाता है।
मूर्खिस्तान बार एण्ड रेस्टोरेंट
जल्दी करो भाई! अगर लेट हो गए तो हमें फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में शामिल नहीं किया जायेगा।

विभिन्न राजनीतिक दलों की मूर्खिस्तानी

पब्लिसिटी

आजकल जहाँ देखिये राजनीतिक पार्टियाँ अपना चुनाव चिन्ह लगा जाती हैं। पर ऐसी पब्लिसिटी से क्या फायदा, जहाँ आम आदमी की नज़र ही न पड़े? मूर्खिस्तान ऐड. एजेंसी ने ऐसी विशेष साइट्स का पता लगाया है, जहाँ पार्टियाँ अपना चुनाव चिन्ह लगा कर सबका ध्यान आकर्षित कर सकती हैं...

अक्सर नेशनल हाईवेज़ पर ट्रकें या बसें उल्टी पड़ी मिलती हैं। आते-जाते लोग उल्टे पड़े वाहनों को बड़े ध्यान से देखते हैं। चमचा पार्टी को अपना चुनाव चिन्ह ट्रकों-बसों के निचले हिस्से में लगाना चाहिये। वैसे भी उनकी पार्टी अक्सर उलट ही तो जाती है।



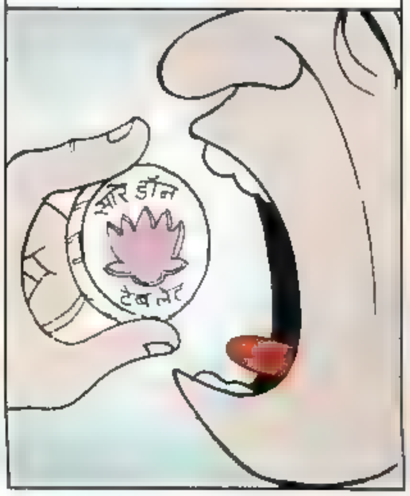
बहुमत पार्टी का दावा है कि वो हर एक गरीब को रोटी देगी। उनको चाहिये कि वो ऐसे बेलन बाँटें, जिन पर उनकी पार्टी चिन्ह का साँचा बना हो। जब भी कोई रोटी बेलेगा उस पर पार्टी का चिन्ह अपने आप उभर आयेगा। इसे कहते हैं रोटी-रोटी पर लिखा है पार्टी वाले का नाम।



टॅग्रेस पार्टी को अपना चुनाव चिन्ह, चौकीदारों की टॉर्च के शीशों पर लगाना चाहिये। रात को चौकीदार जहाँ-जहाँ टॉर्च घुमायेगा, वहाँ-वहाँ पार्टी का चिन्ह भी दीवारों पर उभरता जायेगा। इन टॉर्चों की रोशनी में जो चोर पकड़े जायेंगे, वो जेल में पड़े-पड़े टॅग्रेस पार्टी को रोते रहेंगे... मुफ्त में प्रचार होगा।



वी.जे.पी. को अपना पार्टी चिन्ह सिर दर्द की गोलियों पर बनवाना चाहिये। जितनी बार इनके नेता भाषण देते हैं, सिवाये सिर दर्द के कुछ नहीं मिलता। जनता जितनी बार सिर दर्द की गोलियाँ खायेगी, इनको याद करेगी... वैसे भी इनके नेता गोली टिकाने में ऐक्सपर्ट हैं।



चमचा पार्टी (यूनाइटेड) को अपना पार्टी चिन्ह हलवाइयों से बनवाना चाहिये। हलवाई जब भी जलेबी बनायें, इनके पार्टी चिन्ह की शक्ल में बनायें। इनकी पार्टी इतनी बार टूट चुकी है कि जलेबी किसी भी आकार-प्रकार की बने, इनकी पार्टी का चिन्ह ही लगेगी। वैसे भी इनके नेता चाश्नी में डुबोकर ही अपने वादे पेश करते हैं।






सीक्रेट एजेंट 005
सुखवंत
जूनियर जेम्स बाँड
लीला की अनोखी लीला
अरे जेम्स, इतनी सुबह-सुबह पार्क में कैसे ? वो भी इतने कड़ाके की ठंड में... कोई ख़ास बात है क्या ?
हाँ चाचू, मुझे महा ठगनी लीला का केस मिला है। सुना है वो यहीं आसपास ही कहीं छुपी है।
चलो, मिल कर लीला को ढूँढते हैं।
ठीक है। एक से भले दो।
तभी-
मेरा खड़ूस बॉस कह रहा था कि मैं लीला को कभी नहीं पकड़ पाऊँगा।
पार्क
!!?



और अगर गलती से मैंने पकड़ भी लिया तो वो खूसट बुढ़ऊ मुझे लंबी छुट्टी देगा।
गर्रर्र!
यह चौधरी का बच्चा मुझे
बुढ़ऊ बोलता है...ऑफिस आने
दो फिर हूँ इसे लंबी छुट्टी।
तभी जेम्स का दोस्त टीटू आता है–
अच्छा हुआ तुम मिल गए जेम्स। एक राज़ की बात बतानी थी तुम्हें।
कैसी राज़ की बात..?
वो सामने झोपड़ी देख रहा है न! उसमें एक लड़की कई दिनों से छुपी हुई है। मुझे कोई चोर-उचक्की टाइप की लगती है।
शायद लीला होगी।
ओ. के. मैं चलता हूँ।
थैंक्यू टीटू!
टीटू के जाने के बाद–
अब आगे का काम मैं करूँ जेम्स?
हाँ... लेकिन होशियारी से। लीला बहुत ही चालाक है


दरवाज़ा खोलो... हम पुलिस वाले हैं।
अरे! पुलिस यहाँ कैसे आ गई?
दरवाज़ा नहीं खुलेगा।
ये ऐसे नहीं मानेगी। मैं दरवाज़ा तोड़ता हूँ।
चाचू, ध्यान से।
चाचू जैसे ही दरवाज़ा तोड़ने लगते हैं।
ही-ही-ही मैंने इस दरवाज़े के साथ-साथ पिछवाड़े का भी दरवाज़ा खोल दिया है।
आह!
धाड़
ही ही-ही... देख ली न लीला की अनोखी लीला?
हाय! मेरा बैंड बज गया!
अब मैं चुपचाप कहीं दूसरी जगह छुप जाऊँ!
शायद चाचू मुसीबत में हैं!
चाचू, आप आराम कीजिये। मैं लीला को ढूँढता हूँ।
हाय! मेरी नाक टूट गई।



हाय!
भाग गया मोटू! बड़ा आया था लीला को पकड़ने।
यहाँ तो नहीं ह . मैं इस खिड़की से झोपड़ी के पिछली तरफ देखता हूँ।
बाहर भी नहीं है।
ओ गॉड! यहाँ बैठे-बैठे थक गई। अब बाहर निकलूँ।
लेकिन-
आह! मर गई रे!!
. लीला बेहोश होकर इसी ड्रम में गिर गई। अब मैं कील ठोक कर इसे थाने ले चलूँ।
थोड़ी देर बाद थाने के बाहर-
अंकल, यह रही आपकी शातिर ठग लीला।
अरे वाह!
अंकल, इसको पकड़ने में चाचू का बहुत बड़ा हाथ है।
हाथ या नाक?

हा-हा! ही-ही!! हू-हू!!!



वकील — "तो तुम बचाव के लिये मुझे वकील करना चाहते हो? मेरी फीस देने के लिए तुम्हारे पास रुपया भी है?"

मुवक्किल — "जी नहीं, मेरे पास रुपया तो नहीं है, लेकिन एक सन् बावन मॉडल की स्टूडीबेकर कार है।"

वकील — "खैर, उस पर तुम्हें रुपया मिल सकता है। अच्छा यह बताओ कि तुम पर किस चीज़ की चोरी का आरोप है?"

मुवक्किल — "सन् बावन मॉडल की स्टूडीबेकर कार चुराने का।"

एक छाताधारी सैनिक से उसके अफसर ने पूछा, "तुमने कितनी बार हवाई जहाज़ से छलांग लगाई है?"

सैनिक ने जवाब दिया, "केवल एक बार।"

"लेकिन तुम्हारे सर्विस रिकॉर्ड में पन्द्रह बार लिखा हुआ है।" अफसर ने पूछा।

"जी हाँ, पर शेष चौदह बार तो मुझे ढकेला गया था।" सैनिक ने उत्तर दिया।

"क्यों, आप यह मानते हैं कि शादी एक लॉटरी है?"

"नहीं, कतई नहीं।"

"क्यों?"

"क्योंकि लॉटरी में दुबारा भाग्य आज़माने का अवसर तो मिलता है।"

सुना है, आप किसी कैशियर की तलाश में हैं?"

"जनाब, मैं दो-दो कैशियरों की तलाश में हूँ। एक, जिसे मैं अब रखना चाहता हूँ और दूसरा, जिसे मैंने पहले रखा था।"

संस्था के मैनेजर से मिलने आये एक महाशय ने पूछा, "साहब अन्दर हैं?"

"पहले यह बताइये कि आप कौन हैं, बिल वसूल करने वाले हैं, व्यापारी हैं, या साहब के दोस्त हैं?"

"मैं?" उन्होंने हँसकर कहा, "समझ लो, तीनों हूँ।"

एक पल चपरासी सर खुजाने लगा, फिर बोला, "तो क्रमशः पहले के लिए-साहब तीन दिन से बाहर गये हुए हैं, दूसरे के लिए, वे बहुत व्यस्त हैं, और तीसरे के लिए आप अन्दर जा सकते हैं।"

एक पत्रकार, एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री से इंटरव्यू लेने उसके घर पर गया तो नौकर ने बताया कि साहब तो अंतरिक्ष यात्रा पर गये हैं। आपको कम से कम तीन घण्टे तक प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।

पत्रकार — "कोई बात नहीं, आज मैं उनकी पत्नी का इंटरव्यू ले लूंगा।"

नौकर — "तब तो आपको छः घण्टे इन्तजार करना पड़ेगा क्योंकि मेम साहब शॉपिंग करने बाज़ार गई हुई हैं।"

एक छोटे कद का वक्ता भाषण दे रहा था। भीड़ में से आवाज आई — "आप नजर नहीं आ रहे हैं। खड़े होकर भाषण दीजिये।"

वक्ता ने कहा — "मैं खड़ा होकर ही भाषण दे रहा हूँ।"

भीड़ से फिर आवाज आई — "कृपया मेज़ पर खड़े हो जाइये।"

वक्ता ने कहा — "महोदय। मैं मेज पर ही खड़ा हुआ हूँ।"

ग्राहक (बैरे से) "होटल में इस वक्त क्या गर्म है?"

बैरा — "श्रीमान्, इस वक्त तो केवल आग ही गर्म है।"

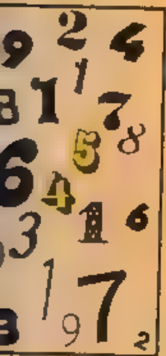
ग्राहक — "तो आग ही लाओ। उससे अपना सिग्रेट तो सुलगा लूँ।" □

2.



डल की यह
आकृति में
?

5



ौन सा नंबर
एक बार आया



अहिंसा ऐसी भी

● अयोध्या प्रसाद "भारती"

बात उन दिनों की है जब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी यरवदा जेल में थे। एक सुबह उन्होंने अपने कैदी साथी को बताया — "कल रात मुझे बड़ी देर से नींद आयी।"

"क्यों, क्या वजह थी?" साथी ने पूछा।

बापू ने बताया, रात जब मैं सोने के लिये गया तो मुझे कमरे की पिछली खिड़की से कुछ आवाज सी सुनाई पड़ी। मैंने उठ कर देखा तो सांप जैसा सिर दिखायी पड़ा।"

साथी ने कहा — "बाहर वार्डन सो रहा था, उसे बुला लेते।"

"वह तो ठीक है, लेकिन यदि मैं उसे बुलाता तो वह और लोगों को बुला लाता और तब सब लोग मिलकर सांप को मार डालते, इसलिए मैंने सोचा कि अगर सांप को काटना ही है तो अंदर आकर मुझे भले ही काट ले पर वार्डन को बुलाना ठीक नहीं है। लेकिन बाद में विचार आया कि अगर उसने मुझे काटने के बाद बाहर सोये बेचारे वार्डन को भी काट लिया तो वह बेचारा बेमौत मारा जाएगा। अभी मैं इस पर विचार कर ही रहा था कि मेरी समस्या का हल स्वंय निकल आया। थोड़ी देर में चन्द्रमा ऊपर आया तो उसकी चांदनी जाली पर पड़ी तो मैंने देखा वह सांप नहीं कछूये का सिर था। तब जाकर मुझे चैन आया।"

साथी ने पूछा — "सांप जैसे खतरनाक जीव को मारने में बुराई क्या है?"

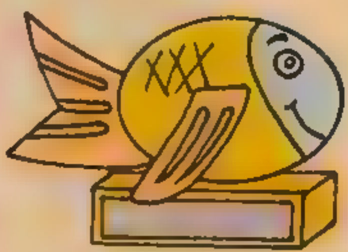
बापू ने कहा — भगवान ने कहा है कि जिस प्रकार हमें अपनी जान प्यारी होती है। उसी प्रकार दूसरे जीव को भी अपनी जान प्यारी होती है। इसलिए सच्ची अहिंसा का यह अर्थ है कि हमें भले ही कुछ क्यों न हो जाए पर हमें दूसरे की जान नहीं लेनी चाहिये और न ही कोई कष्ट देना चाहिये।"

खेल खेल में सीखो



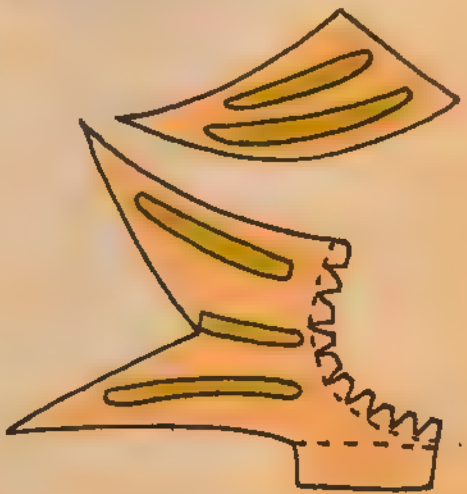
● सुखवंत

रंगीन मछली



सामग्री : — एक अंडे का साबुत खोल, एक माचिस की डिबिया, मोटा कागज, गोंद, कैंची, रंग और ब्रश।

विधि : — अंडे के खोल को रंग करके माचिस की डिबिया पर चिपका दो। चित्र में दिए गए आकार को किसी मोटे कागज पर बना कर उसे काटो तथा रंग करके मछली के शरीर पर चिपका दो।

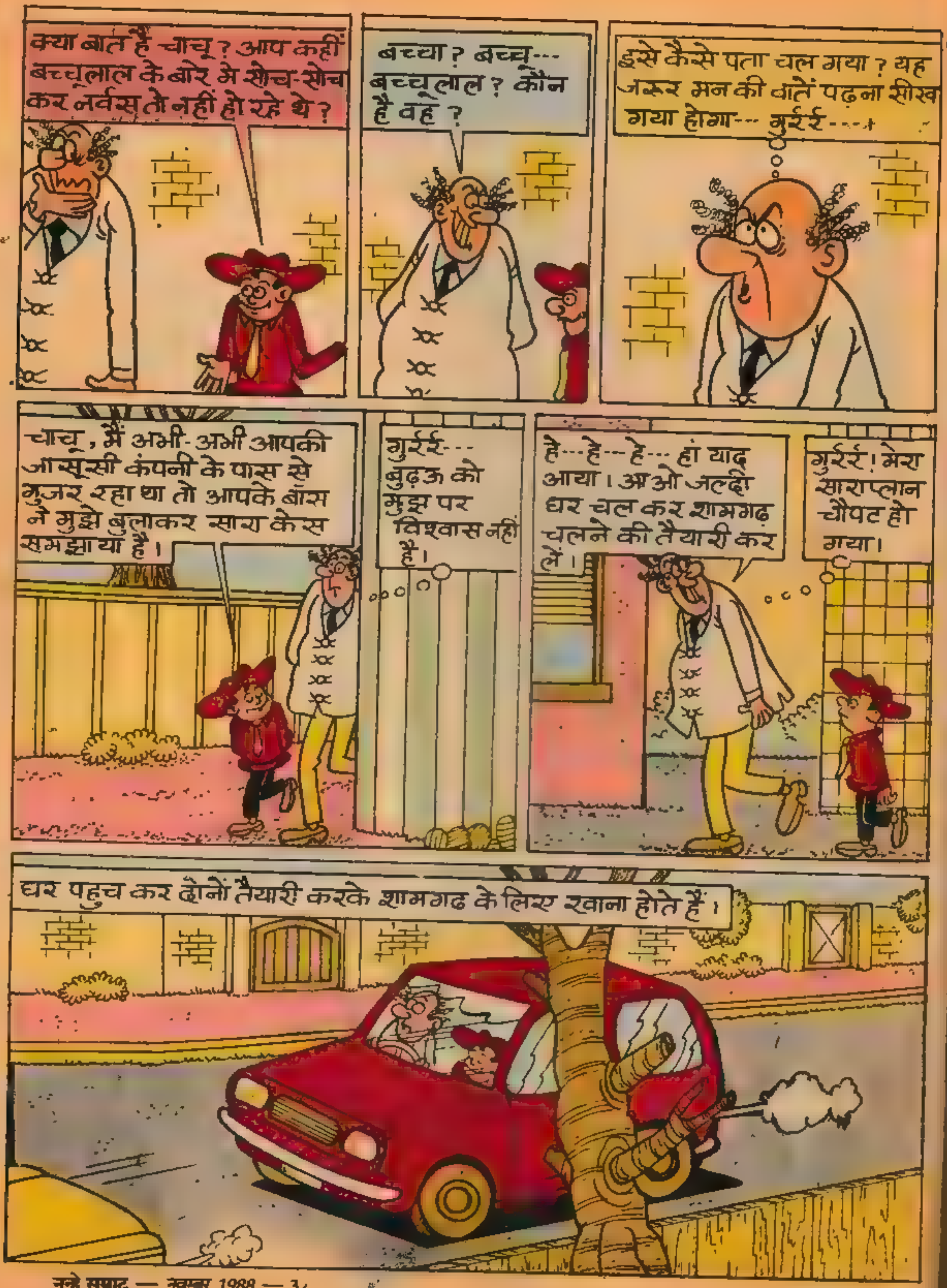


नोट : — अंडे में किसी नुकीली चीज से एक सुराख बना कर अंदर का भाग निकालो।

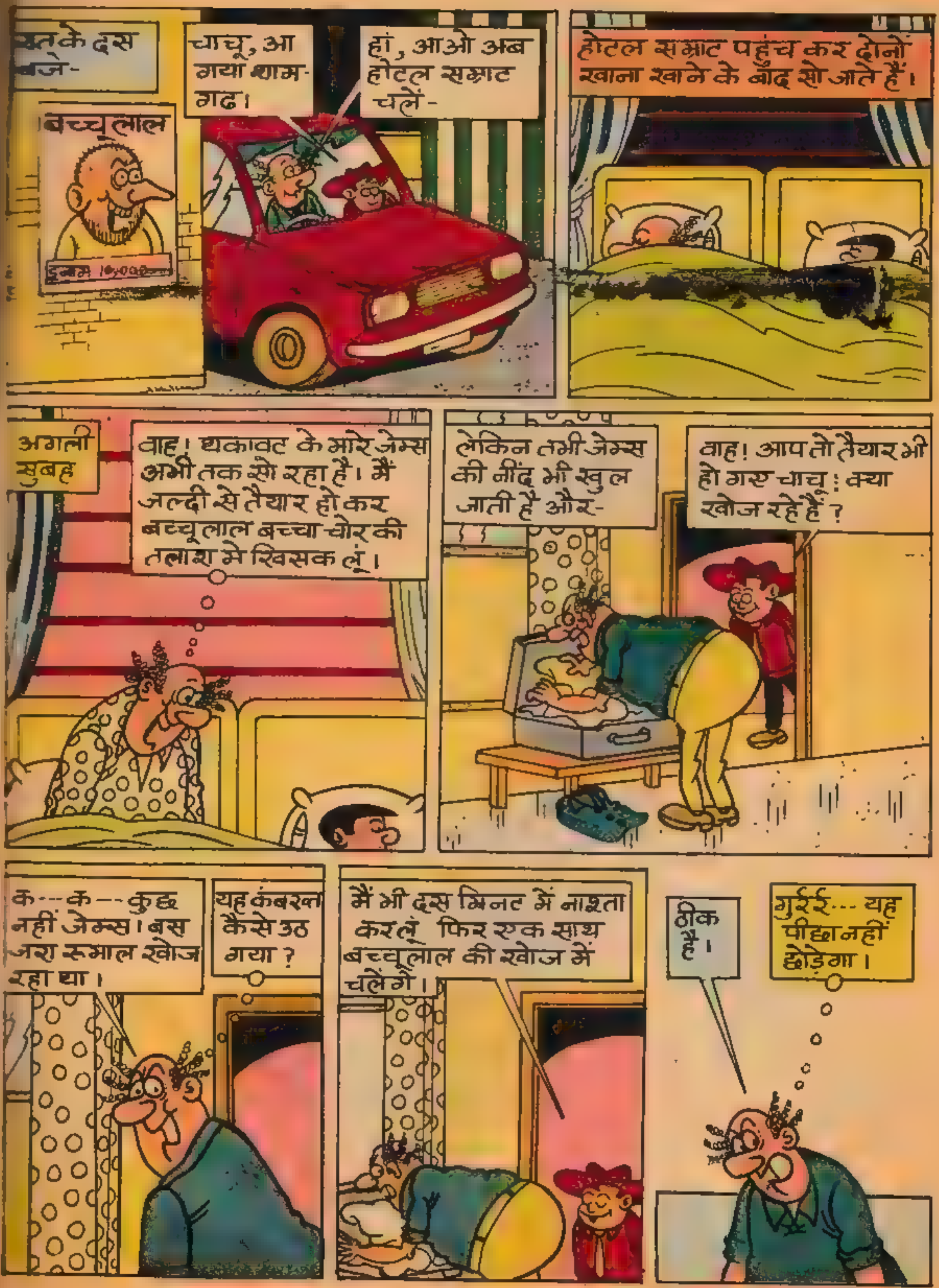

सीक्रेट एजेंट 001
जूनियर जेम्स बाँड
बच्चूलाल बच्चा चोर
सुखवंत
आप चिंता न कीजिए--- हमारी एवन जासूसी कंपनी उस बच्चूलाल बच्चा चोर को शीघ्र ही पकड़ कर आपके सामने पेश कर देगी।
शामगढ़ के एस.पी. साहब का फोन था। आजकल वहां पर किसी बच्चूलाल ने लोगों का जीना हराम कर रखा है। वह दिन दहाड़े लोगों के बच्चे उठा कर ले जाता है।
ओह! यह तो बहुत बुरी बात है।
मैं यह केस आपको देता हूं। आप अपने भतीजे जूनियर जेम्स बांड को ले कर आज रात को ही शामगढ़ के लिए रवाना हो जाइये।
लेकिन सर, जूनियर जेम्स तो अभी खुद बच्चा है। कहीं बच्चूलाल उसे ही उठाकर---
क्यों बेकार की बातें कर रहे हैं? सारी दुनिया सच्चाई जानती है कि आप नहीं बल्कि जेम्स ही सारे मुज़रिमों को पकड़ता है।

तभी-


हे---हे---हे--- तो मजाक कर रहा था सर।
मैं भी देखता हूं जेम्स कैसे बच्चूलाल को पकड़ता है।
रास्ते में-
क्या फूटी किस्मत है मेरी भी। जासूसी कंपनी में काम करते-करते मुझे पूरे बीस साल हो गये और नाम हो रहा है जूनियर जेम्स बांड का--- गुर्रर्र---।
बेचारा मेरी ही बिरादरी का लग रहा है।
एक उपाये सूझा! क्यों न मैं चुपचाप रामगढ़ खिसक लूं और खुद ही बच्चूलाल को पकड़ कर ले आऊं!
हां, यही ठीक रहेगा। मैं दुनिया को बता दूंगा कि मैं भी चोर, डाकू, बदमाश वगैरह पकड़ सकता हूं। मेरा भी अखबारों में नाम छपेगा। मुख्य मंत्री से इनाम मिलेगा। दूरदर्शन की 8.40 वाली खबरों में मेरी खबर आयेगी--- मैं महान हूं--- मैं---
तभी-
चाचू, जरा संभल कर! आगे मैन-होल खुला हुआ है!
ओह--- हो! बच गया। हाय! अभी मेरे सारे सपने इस मैनहोल में गिर जाने थे।


क्या बात है चाचू ? आप कहीं बच्चूलाल के बारे में सोच-सोच कर नर्वस तो नहीं हो रहे थे ?
बच्चा ? बच्चू--- बच्चूलाल ? कौन है वह ?
इसे कैसे पता चल गया ? यह जरूर मन की बातें पढ़ना सीख गया होगा--- गुर्र्र---।
चाचू , मैं अभी-अभी आपकी जासूसी कंपनी के पास से गुजर रहा था तो आपके बॉस ने मुझे बुलाकर सारा केस समझाया है।
गुर्र्र--- बुढ़ऊ को मुझ पर विश्वास नहीं है।
हे---हे---हे--- हां याद आया। आओ जल्दी घर चल कर शामगढ़ चलने की तैयारी कर लें।
गुर्र्र! मेरा सारा प्लान चौपट हो गया।
घर पहुच कर दोनों तैयारी करके शामगढ़ के लिए रवाना होते हैं।


गुर्रर्र! मेरा सारा प्लान चौपट हो गया।

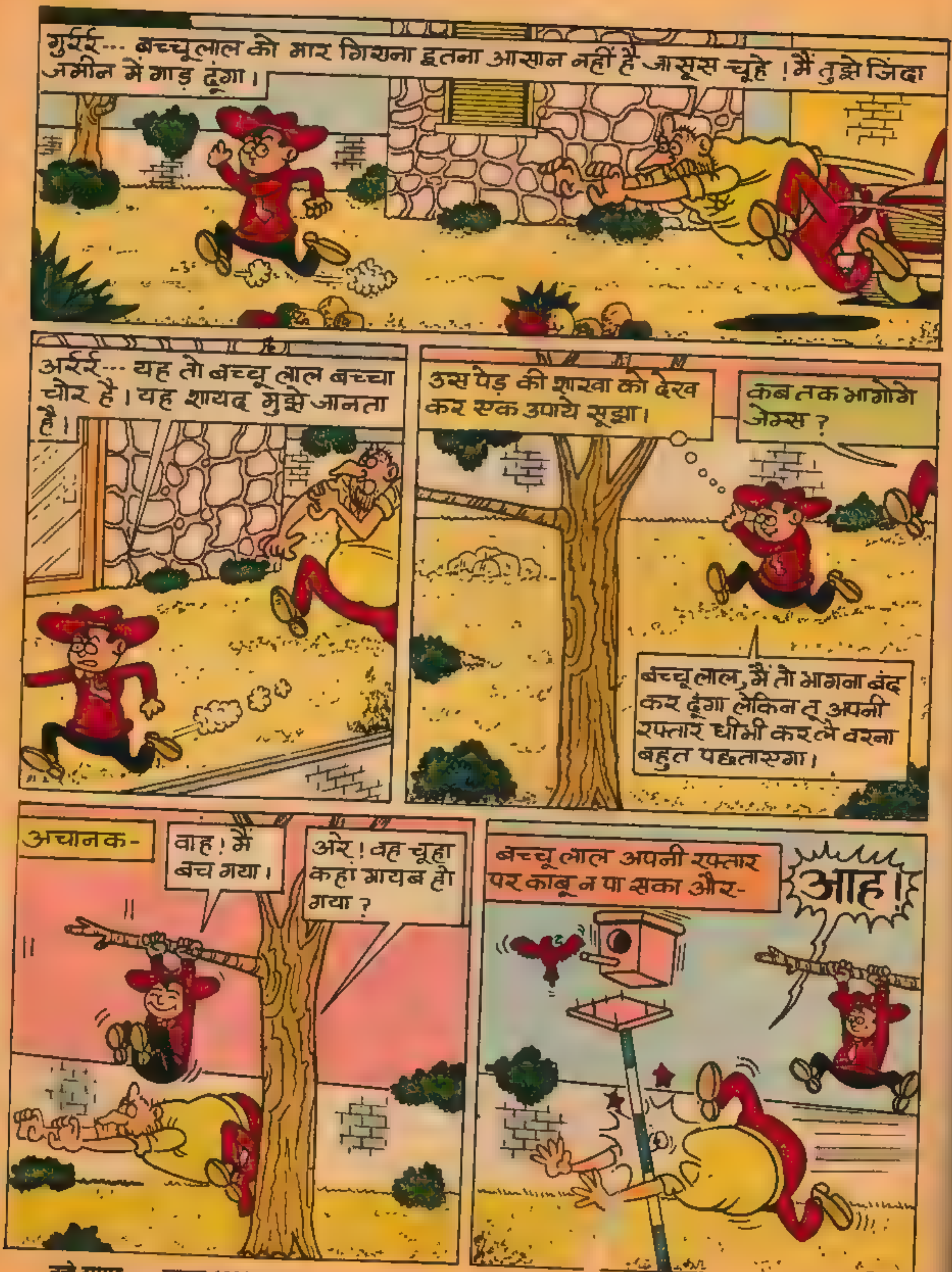

रात के दस बजे-
चाचू, आ गया शामगढ़।
हां, आओ अब होटल सम्राट चलें-
बच्चू लाल
इनाम 10,000
होटल सम्राट पहुंच कर दोनों खाना खाने के बाद सो जाते हैं।
अगली सुबह
वाह! थकावट के मारे जेम्स अभी तक सो रहा है। मैं जल्दी से तैयार हो कर बच्चू लाल बच्चा-चोर की तलाश में खिसक लूं।
लेकिन तभी जेम्स की नींद भी खुल जाती है और-
वाह! आप तो तैयार भी हो गए चाचू! क्या खोज रहे हैं?
क---क---कुछ नहीं जेम्स। बस जरा रूमाल खोज रहा था।
यह कंबख्त कैसे उठ गया?
मैं भी दस मिनट में नाश्ता कर लूं फिर एक साथ बच्चू लाल की खोज में चलेंगे।
ठीक है।
गुर्रर्र--- यह पीछा नहीं छोड़ेगा।

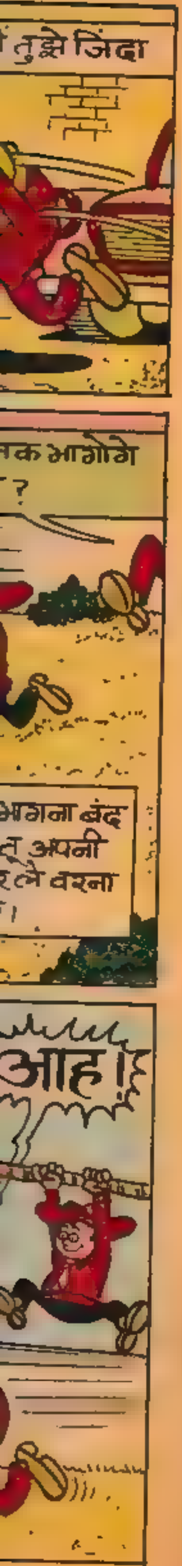


पहले ज़रा यह अटैची बंद करवा दो। देखो, तुम्हारी चाची ने इसमें इतने सारे कपड़े भर दिए हैं जैसे हम महीने भर के लिए यहां आए हैं।
!?
अब आप बंद कीजिए चाचू।
अब भी बंद नहीं हो रहा है।
तुम ऐसे ही बैठे रहो, मैं होटल वालों से कोई रस्सी मांग कर लाता हूं।
वाह! आपका भी जवाब नहीं चाचू
बाहर आ कर -
ही---ही---ही--- अब मैं बच्चू लाल की खोज में निकलूं।
जूनियर जेम्स को खूब उल्लू बनाया। अब वह अटैची पर बैठा मेरा इंतजार करता रहेगा।
चाचू के बाहर निकलते ही बच्चू लाल बच्चा चोर एक बच्चा चुरा कर होटल के नजदीक पहुंचता है।
सेठ करोड़ीमल का बच्चा हाथ लगा है। इसे मैं जल्दी से कार की डिक्की में रख-कर कार स्टार्ट करूं।
DLX 500

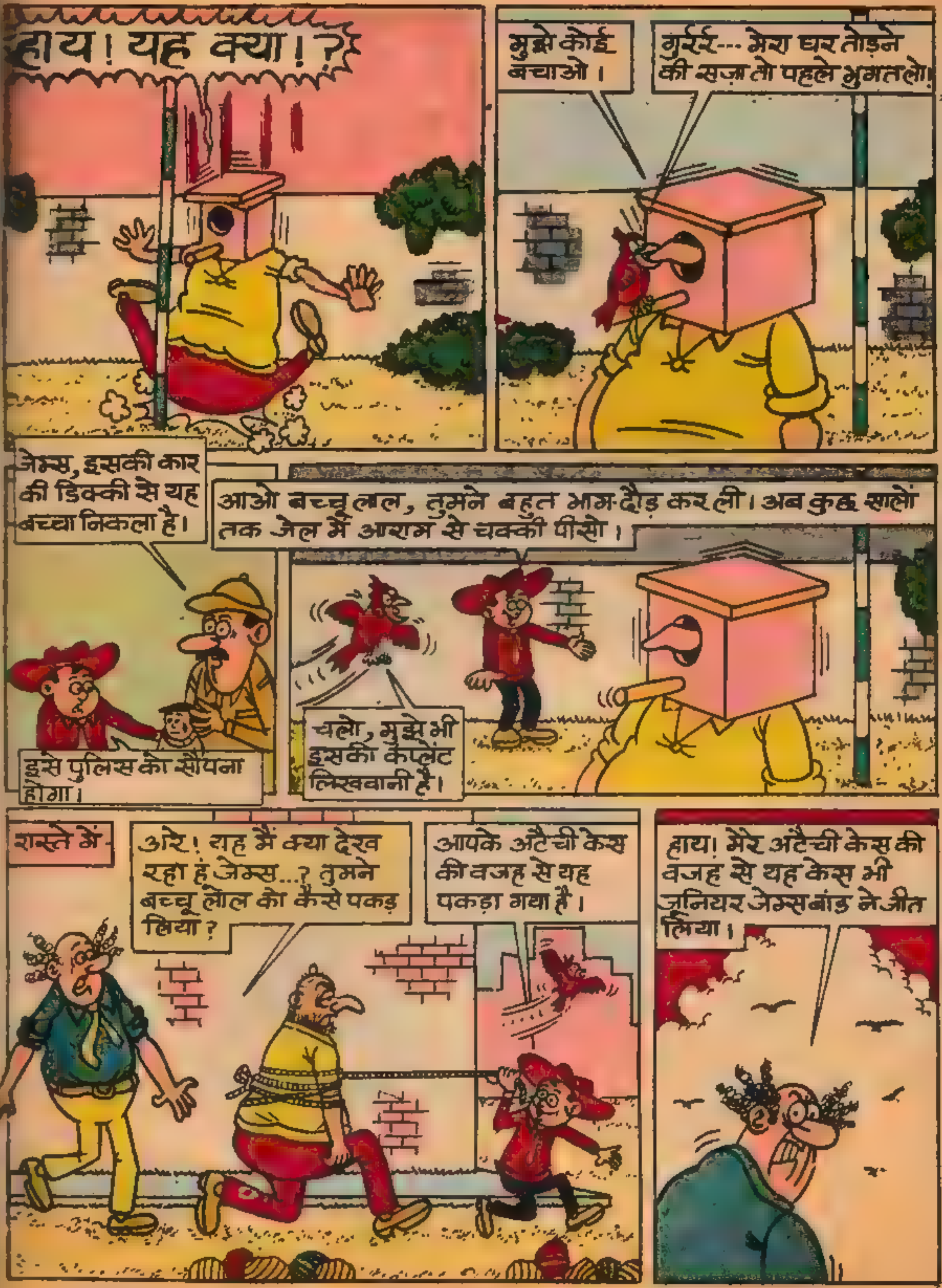


उधर होटल मे।
पता नहीं चाचू कहां गायब हो गये हैं?
मुझे तो लग रहा है वे अकेले ही बच्चू लाल की तलाश में निकल गए हैं।
तभी अटैची का कुंडा टूट जाता है और जूनियर जेम्स बांड खिड़की से बाहर---
औफ! यह क्या हो गया?
---गिरने लगता है।
हो-- हो---हो---अब बच्चे के बदले में करोड़ीमल से पांच लाख रूपये मांगूंगा।
हाय! मैं मर गया!
आह!
हे भगवान! यह मुझसे क्या हो गया?


गुर्र्र--- बच्चूलाल को मार गिराना इतना आसान नहीं है जासूस चूहे ! मैं तुझे जिंदा जमीन में गाड़ दूंगा।
अर्र्र--- यह तो बच्चू लाल बच्चा चोर है। यह शायद मुझे जानता है।
उस पेड़ की शाखा को देख कर एक उपाय सूझा।
कब तक भागोगे जेम्स ?
बच्चू लाल, मैं तो भागना बंद कर दूंगा लेकिन तू अपनी रफ्तार धीमी कर ले वरना बहुत पछताएगा।
अचानक-
वाह ! मैं बच गया।
अरे ! वह चूहा कहा गायब हो गया ?
बच्चू लाल अपनी रफ्तार पर काबू न पा सका और-
आह !



आह!



हाय! यह क्या!?
मुझे कोई बचाओ।
गुर्रर्र--- मेरा घर तोड़ने की सज़ा तो पहले भुगत लो!
जेम्स, इसकी कार की डिक्की से यह बच्चा निकला है।
इसे पुलिस को सौंपना होगा।
आओ बच्चू लाल, तुमने बहुत भाग-दौड़ कर ली। अब कुछ सालों तक जेल में आराम से चक्की पीसो।
चलो, मुझे भी इसकी कंप्लेंट लिखवानी है।
रास्ते में-
अरे! यह मैं क्या देख रहा हूं जेम्स...? तुमने बच्चू लाल को कैसे पकड़ लिया?
आपके अटैची केस की वजह से यह पकड़ा गया है।
हाय! मेरे अटैची केस की वजह से यह केस भी जूनियर जेम्स बांड ने जीत लिया।

संवाद प्रतियोगिता

नियम

1. संवाद चित्र में बने बैलून में ही लिखकर भेजिए अन्यथा आपका प्रवेश-पत्र प्रतियोगिता में शामिल नहीं किया जायेगा।
2. संवाद किसी फ़िल्म से ही होना चाहिए।
3. यदि प्रथम पुरस्कार के लिए एक ही संवाद हुआ तो उनका इनाम लॉटरी द्वारा निकाला जाऐगा।
4- जजों का निर्णय अंतिम होगा तथा इस संबन्ध में कोई पत्र व्यवहार नहीं किया जायेगा।



प्रवेश-पत्र

नाम ____________________

____

उम्र ____________________

पता ____________________

____

____

टी शर्ट न ____________

अंतिम तिथि : 10 नवम्बर, 1988



हल भेजने का पता : **'नन्हे सम्राट',**
L-1, कंचन हाऊस, नई दिल्ली-110015.



मूर्खिस्तान
राष्ट्र ध्वज
चेतावनी: मूर्खिस्तान में अक्ल का इस्तेमाल करना कानूनन जुर्म है।
सारे जहां से महान, हमारा प्यारा मूर्खिस्तान
मानचित्र
राष्ट्रीय पशु
राष्ट्रीय फूल
राष्ट्रीय खेल
32 जुलाई मूर्ख दिवस
राष्ट्रीय पर्व
राष्ट्रीय गीत
राष्ट्रपति
तुम्हीं ने तो कहा था कि आज धन-तेरस पर मैं कुछ चमचे लेता आऊं। मैं इन्हें ले आया हूं, ये दोनों आफिस में मेरे चमचे हैं।
प्रश्न 1. ऐसी कौन सी फैक्ट्री है जहां की बनी हर चीज जल कर राख हो जाती है लेकिन फिर भी फैक्ट्री मालिक को लाखों का फायदा होता है?
बेटे, जब भी पटाखों में आग लगानी हो तो इस तरह सावधानी से लगाओ।
अपना टाइम बम स्वयं बनाओ!
चित्र में दिखाए गए तरीके के अनुसार दीवाली का बम मोमबत्ती के साथ खड़ा करो। जब मोमबत्ती पिघलेगी और मोमबत्ती की जलती हुई लौ नीचे आयेगी तो बम में अपने आप आग लग जायेगी। दीवाली पर यह ट्रिक तुम अपने पड़ोसियों की मोमबत्तियों पर करना।
पेश है दीवाली पर मूर्खिस्तान के महान वैज्ञानिक श्री बमचंद पटाखे वाला के कुछ नये आविष्कार।
ऑटोमैटिक स्विलिंग फुलझड़ी
अब फुलझड़ी हाथ में ले कर नहीं घुमानी पड़ेगी। बस बिजली के मोटर से चलने वाली इस मशीन में फुलझड़ी फंसाइये और स्विच ऑन कीजिए।
रिमोट कंट्रोल रॉकेट
इस कंप्यूटर के सहारे आप मनचाही दिशा में दिवाली का रॉकेट भेज सकते हैं।
इसे सोनू के घर की ओर भेजूं।
पुश बटन इग्नीशन
खतरनाक बमों में आग लगाते समय अब डर नहीं लगेगा। इस यंत्र के सहारे आप दूर खड़े हो कर बस बटन दबाइये और धमाके का मजा लीजिए।
धाड़
सोलर बम
बढ़ते हुए ऊर्जा संकट को देखते हुए यह सोलर बम बनाया गया है। यह सूर्य की किरणों से चलता है।
मूर्खिस्त
जेबें खाली और ऊपर से ससुराल के सभी लोग घर
प्रश्न 2 हमारा मूर्खिस्तान ओलंपिक खेलों में पीछे क्यों रहा?



उत्तर

1. पटाखे बनाने वाली फैक्ट्री
2. क्योंकि बाकी के देश आगे थे।
3. ये पांच शून्य हैं जो हमारे खिलाड़ियों को ओलंपिक में मिले हैं।

हा-हा! ही-ही!! हू-हू!!!



पत्नी (अपने नेता पति से)—"तुमने कल भाषण में कहा था कि गरीब और अमीर के बीच की खाई को भरना होगा। मैं कहे देती हूं कि खाइयां भरने का कांट्रेक्ट मेरे भाई को ही मिलना चाहिए।"

एक देहाती फौज के बड़े ऑफिसर के पास गया और बोला—"साहब आप मुझे ब्रिगेडियर बना दीजिए।"
ऑफिसर—"क्या तुम पागल हो गए हो?"
देहाती—"अच्छा! ब्रिगेडियर बनने के लिए पागल होना जरूरी होता है?"

एक बार एक नए मंत्री की नियुक्ति हुई। वे आकर अपनी सीट पर बैठ गए। उनके सेक्रेटरी ने कहा—"सर, अभी तो आपको गार्ड ऑफ ऑनर लेना है।" यह सुनकर उन्होंने उत्तर दिया—"उसे यहीं ले आओ, मैं बहुत थक गया हूं।"

एक सज्जन—"ओ रिक्शा वाले, एक आदमी का क्या लोगे?"
रिक्शावाला—"बाबू जी, मैं आदमी नहीं बेचता।"

एक यात्री—"यह बस कहाँ जा रही है?"
कंडक्टर—"सड़क पर।"

सुरेश ने अपने दोस्त रमेश की शादी के लिए रिश्ता करवाया। शादी की तिथि तय हो गई। शादी वाले दिन जब रमेश ने लड़की को देखा तो सुरेश को फुसफुसा कर बोला—"तुम तो कहते थे लड़की बहुत सुंदर है, यह तो बड़ी बदसूरत है।" इस बार रमेश बोला—"धीरे-धीरे फुसफुसा क्यों रहे हो, लड़की बहरी भी है।"

एक बूढ़े के सिर पर दो-चार बाल थे। वह नाई के पास गया।
नाई ने उन्हें देखकर कहा—"बताइये साहब, बालों की गिनती करूं या काटूं?"
बूढ़े ने शरमाते हुए कहा—"इन्हें काले कर दो।"

डॉक्टर (रोगी से)—"अगर मैं आपका ऑपरेशन आवश्यक समझूं तो क्या आप उसकी फीस दे सकेंगे?"
रोगी—"जी, अगर मैं आपकी फीस न दे सकूं, तो क्या आप ऑपरेशन आवश्यक समझेंगे?"

टीचर—"तो बच्चों, अब तुम समझ गए न कि मनुष्य जाति की उत्पत्ति कैसे हुई?"
भोलू—"पर मेरे पापा तो कहते हैं कि हम सब बंदर की संतान हैं।"
टीचर—"भोलू बेटे, यह तुम्हारे परिवार का निजी मामला है। इसमें मैं हस्तक्षेप नहीं कर सकता।"

महेश—(अपने डॉक्टर मित्र से) "तुमने त्वचा के रोगों की चिकित्सा की शिक्षा क्यों ली?"
डॉक्टर मित्र—"इसके तीन फायदे हैं। पहला, मेरे रोगी मुझे रात को उठा कर तंग नहीं करते। दूसरा, मेरे रोगी अपने रोग के कारण नहीं मरते। तीसरा, उनका रोग कभी ठीक नहीं होता।"

कहावत है, दिन में एक सेब खाने से वैद्य, हकीम व डॉक्टर दूर रहते हैं।"
"भई, मैं तो कहता हूँ रोज एक लहसुन खाया करो तो प्रत्येक व्यक्ति तुमसे दूर रहेगा।"

पादरी (एक नटखट बच्चे से) "ईश्वर से पापों की क्षमा माँगने से पहले हमें क्या करना चाहिए।"
बच्चा—"पाप करने चाहिए।"

"यह सही है कि सौ के नोट से आज आपका उतना काम नहीं होता, जितना पहले होता था। मगर आप भी तो सौ के नोट के लिए उतना काम नहीं करते, जितना कि पहले करते थे।"

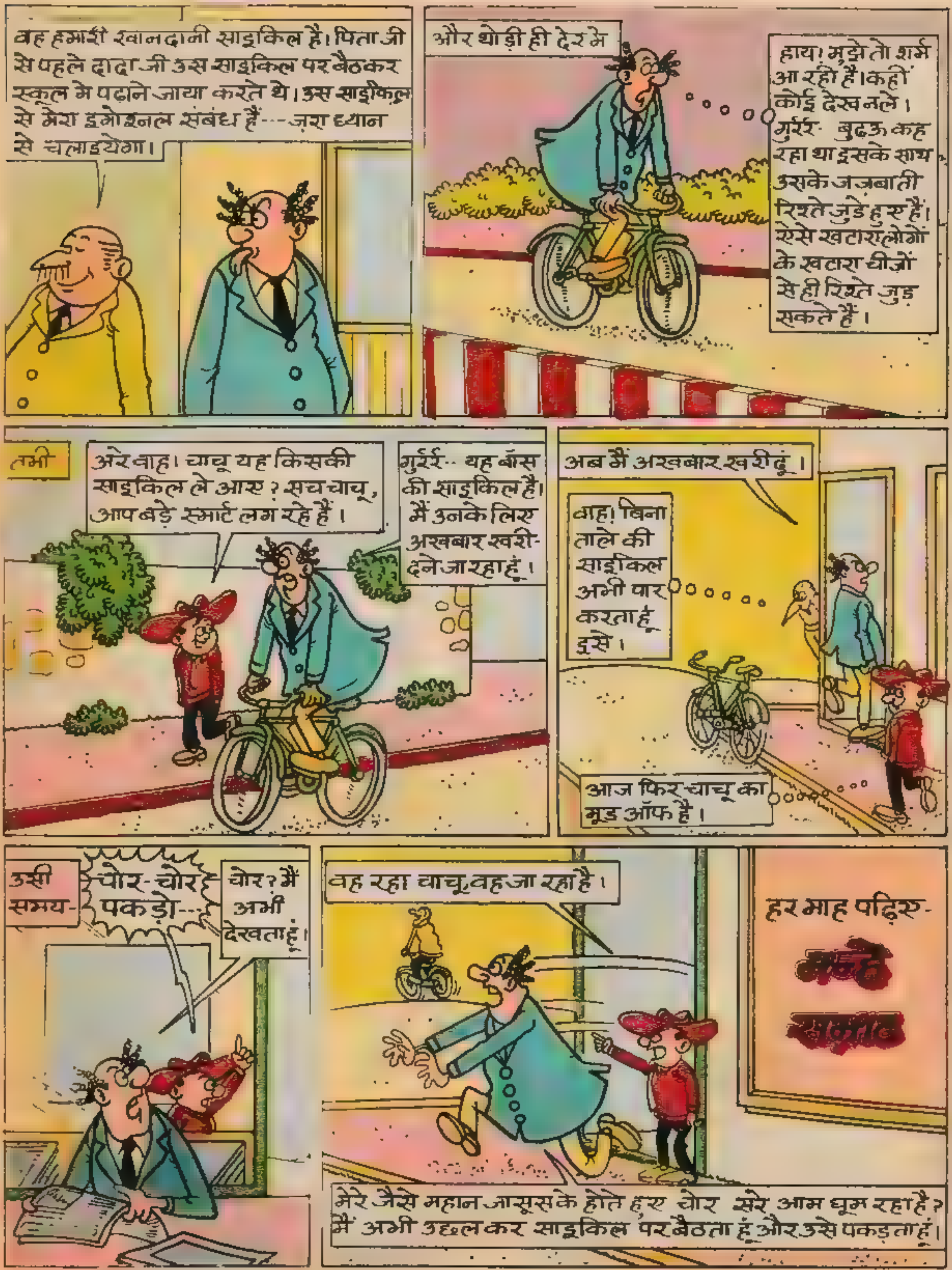
मम्मी—"अरे! यह क्या हुआ?"
बंटू—"एक लड़के ने मुझे मेरी ही छड़ी से पीट डाला।"
मम्मी—"पर तुमने उसे अपनी छड़ी दी क्यों?"
बंटू—"न देता तो वह अपनी लोहे की छड़ से मेरी हड्डियां तोड़ डालता।"

Printed Published & Edited by ANAND DEWAN on behalf of Dewan Publication Pvt. Ltd., L-1 & 2 Kanchan House Najafgarh Road Commercial Complex New Delhi 110015 and Printed at Jain offset Printers Delhi & Engineer Enterprises New Delhi

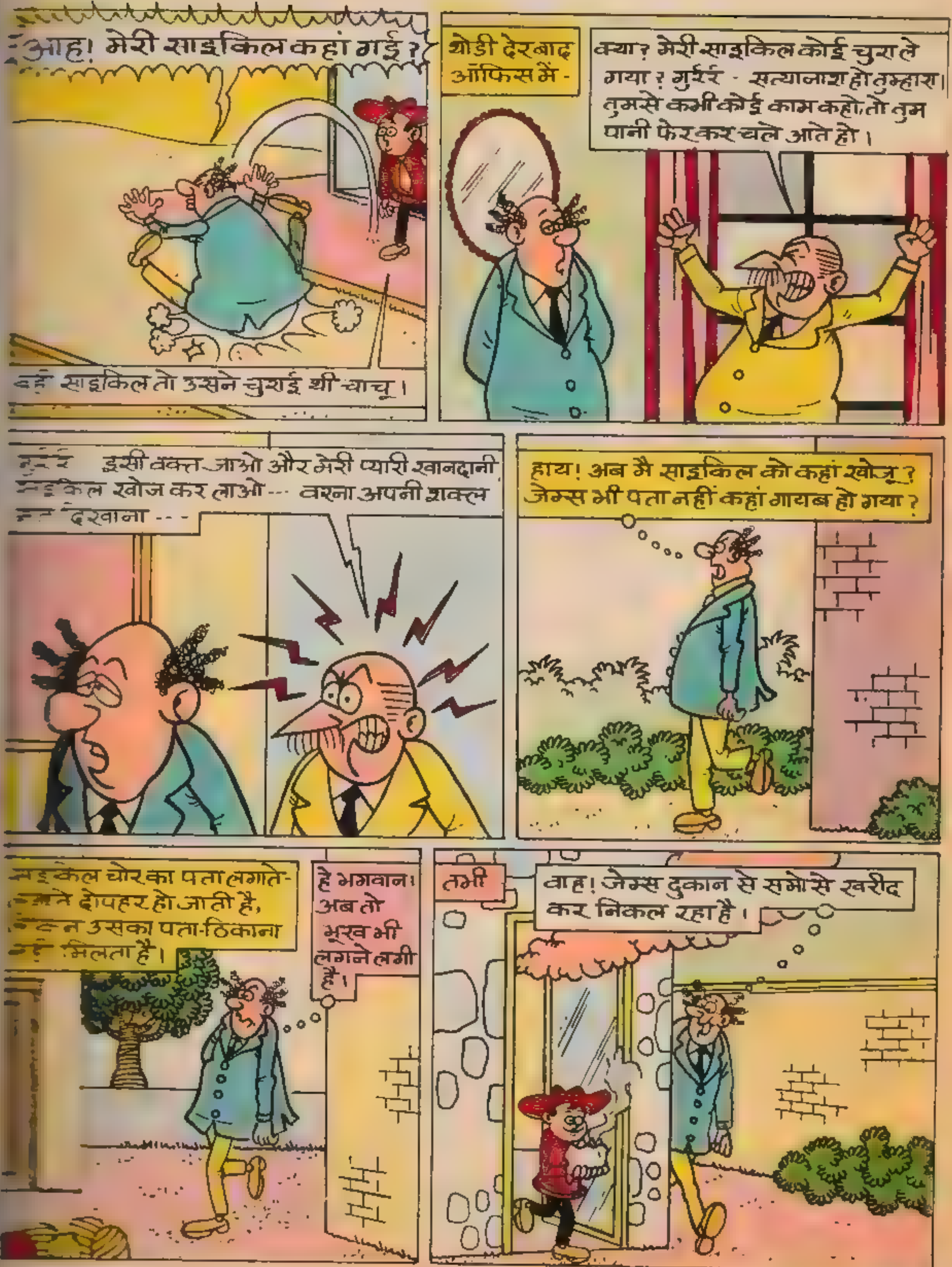

सीक्रेट एजेन्ट 005
जूनियर जेम्स बॉंड
आलू चोर-साइकिल चोर
सुखवंत
तो आपकी शिकायत है कि कोई चोर आपके खेतों से आलू चुरा कर भाग जाता है। क्यों रामखिलावन जी?
हाँ साहिब, हम खेतन का आलू बोरी मां बंद कर कै अपने गोदाम मां रखत हैंय और कोई ससुरा चुपके दिनी सारा आलू बोरियन समेत ले जात है।
अब आप निश्चिंत होकर घर जाइये। आपके आलू चोर को हमारे जासूस बहुत जल्द ही पकड़ लेंगे।
धन्यवाद साहिब, अब हम चलत हैं। अबहीं निकल ले वरना गाम वाली बस छूट गई तौ मुसीबत होई जाई।
एक घंटे बाद-
इस बार आपको लखीमपुर गांव जा कर एक आलू चोर को पकड़ना है। वहां से कोई रामखिलावन नाम का आदमी शिकायत ले कर आया था।
सर, यह शिकायत केवल रामखिलावन की ही नहीं है। हमारा नौकर भी लखीमपुर का रहने वाला है। वह भी बता रहा था कि उसके गांव में कोई चोर सब्जियां चुरा कर गायब हो जाता है।

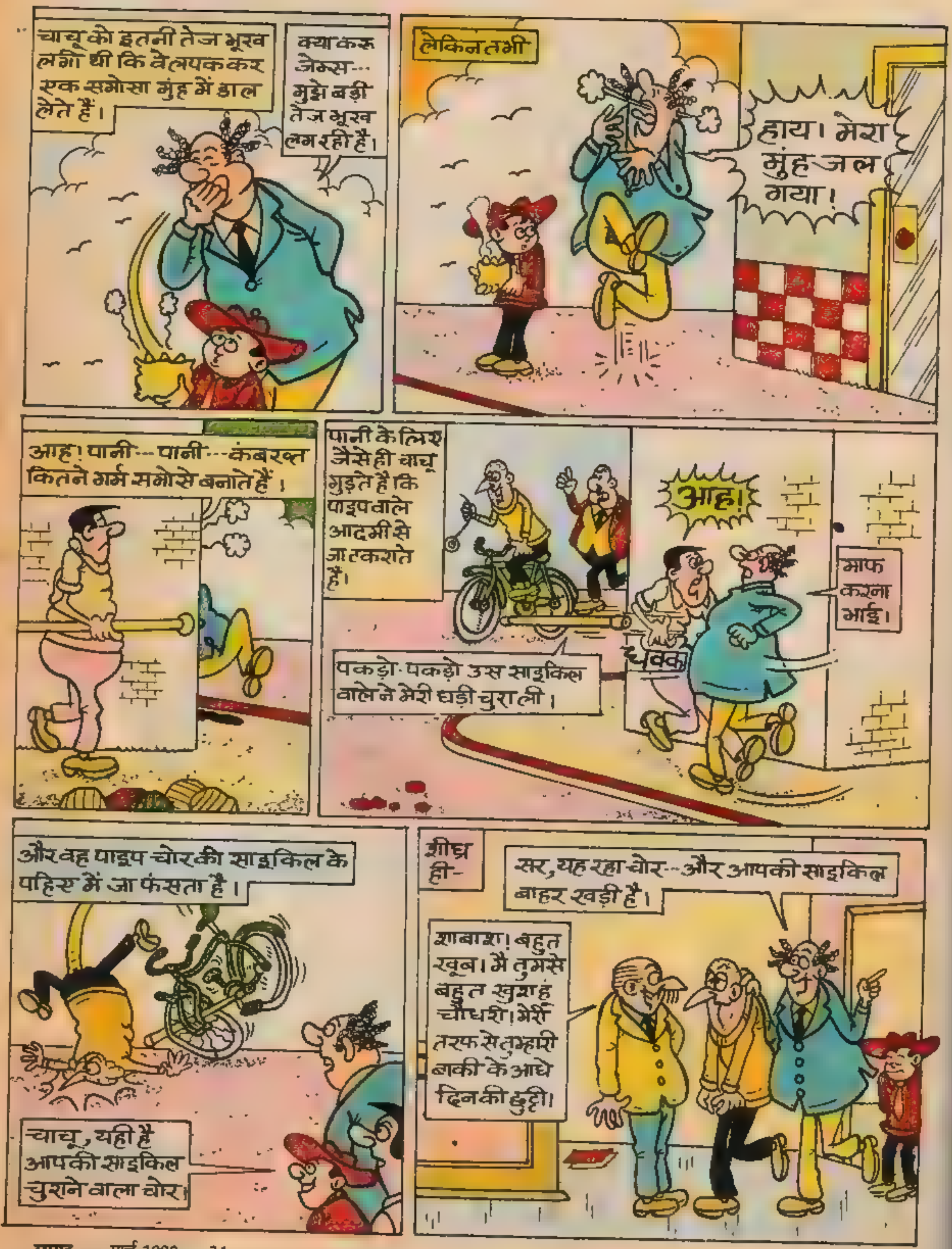


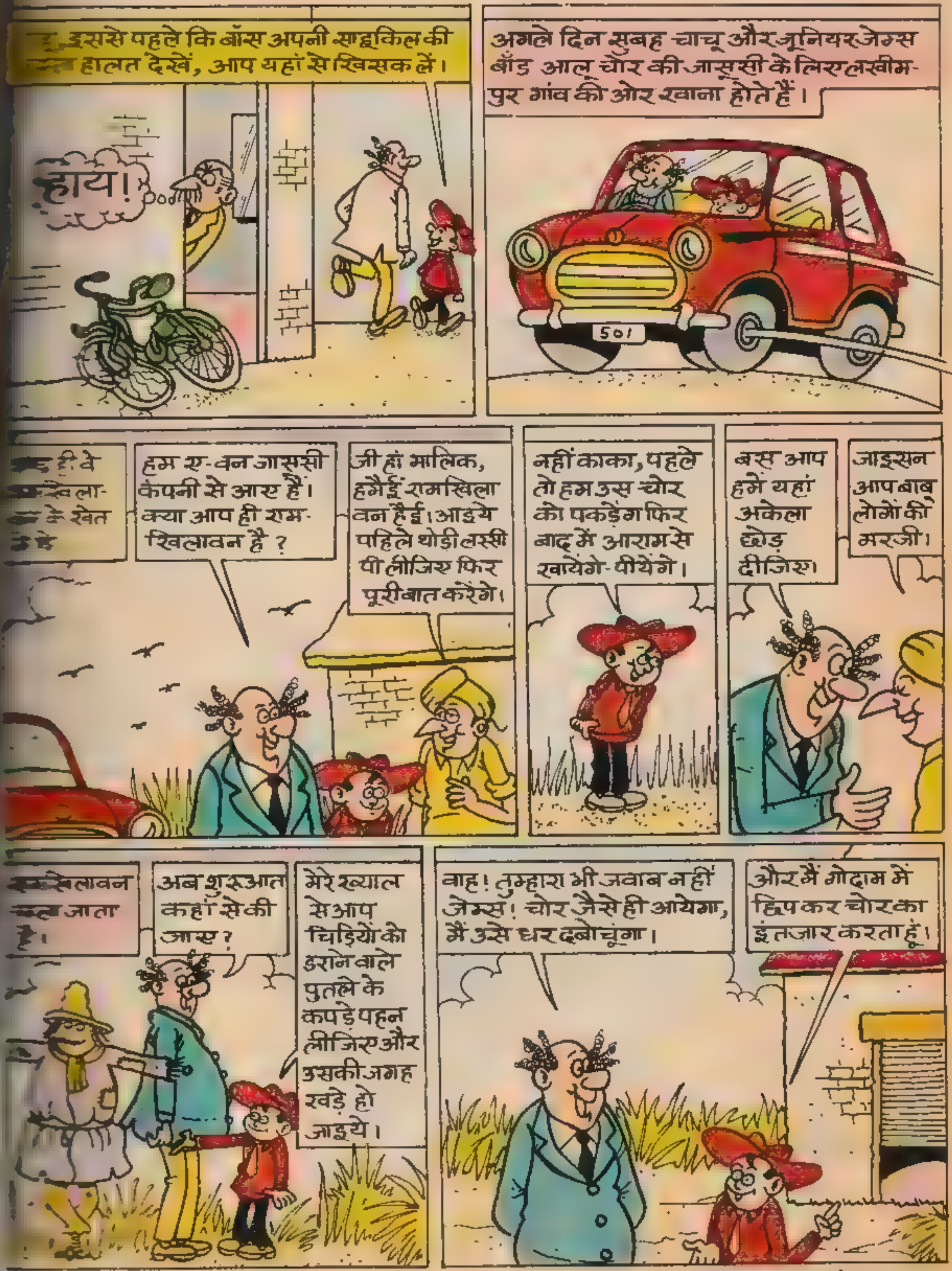

ठीक है, आप अपने भतीजे, जूनियर जेम्स बांड को ले कर कल ही लखीमपुर के लिए रवाना हो जाइए।
बुढ़ऊ को जूनियर जेम्स की ही पड़ी रहती है।
सर, भला जूनियर जेम्स बांड गांव में जा कर क्या करेगा? आलू चोर के लिए मैं ही काफी हूं।
चौधरी जी, क्यों बार बार मेरा मुंह खुलवाते हैं? सभी जानते हैं कि चोर-बदमाशों को आप नहीं, बल्कि जूनियर जेम्स बांड पकड़ता है।
खूसट कहीं का... गुर्रर! हमेशा जेम्स की ही तारीफें करता रहता है।
अब आप जाइये---और हां, एक बात याद आई, आज सुबह अखबार वाला अखबार दे कर नहीं गया है। आप ज़रा नुक्कड़ की मैगज़ीन शॉप से आज का अखबार ला दीजिए।
हाय! खूसट ने मुझे दफ्तर का चपरासी समझ रखा है।
आज चपरासी नहीं आया है। आप दफ्तर के स्टोर से साइकिल निकाल कर ले जाइये।
साइकिल और मैं...?
क्यों, साइकिल चलाना क्या कोई बुरी बात है? जानते हैं उस साइकिल पर मैं एक ज़माने में दफ़्तर आया करता था। उससे पहले उस साइकिल पर मेरे पिता जी अपने म्युनिसपाल्टी वाले दफ़्तर जाया करते थे।
हाय! क्या ज़िंदगी है मेरी।


वह हमारी खानदानी साइकिल है। पिता जी से पहले दादा जी उस साइकिल पर बैठकर स्कूल में पढ़ाने जाया करते थे। उस साइकिल से मेरा इमोशनल संबंध है---ज़रा ध्यान से चलाइयेगा।
और थोड़ी ही देर में
हाय! मुझे तो शर्म आ रही है। कहीं कोई देख न ले। गुर्रर- बुढ़ऊ कह रहा था इसके साथ उसके जज़बाती रिश्ते जुड़े हुए हैं। ऐसे खटारा लोगों के खटारा चीज़ों से ही रिश्ते जुड़ सकते हैं।
तभी
अरे वाह। चाचू यह किसकी साइकिल ले आए? सच चाचू, आप बड़े स्मार्ट लग रहे हैं।
गुर्रर-- यह बॉस की साइकिल है। मैं उनके लिए अखबार खरीदने जा रहा हूं।
अब मैं अखबार खरीदूं।
वाह! बिना ताले की साइकिल अभी पार करता हूं इसे।
आज फिर चाचू का मूड ऑफ है।
उसी समय-
चोर-चोर है पकड़ो---
चोर? मैं अभी देखता हूं।
वह रहा चाचू, वह जा रहा है।
मेरे जैसे महान जासूस के होते हुए चोर सरे आम घूम रहा है? मैं अभी उछलकर साइकिल पर बैठता हूं और उसे पकड़ता हूं।
हर माह पढ़िए-



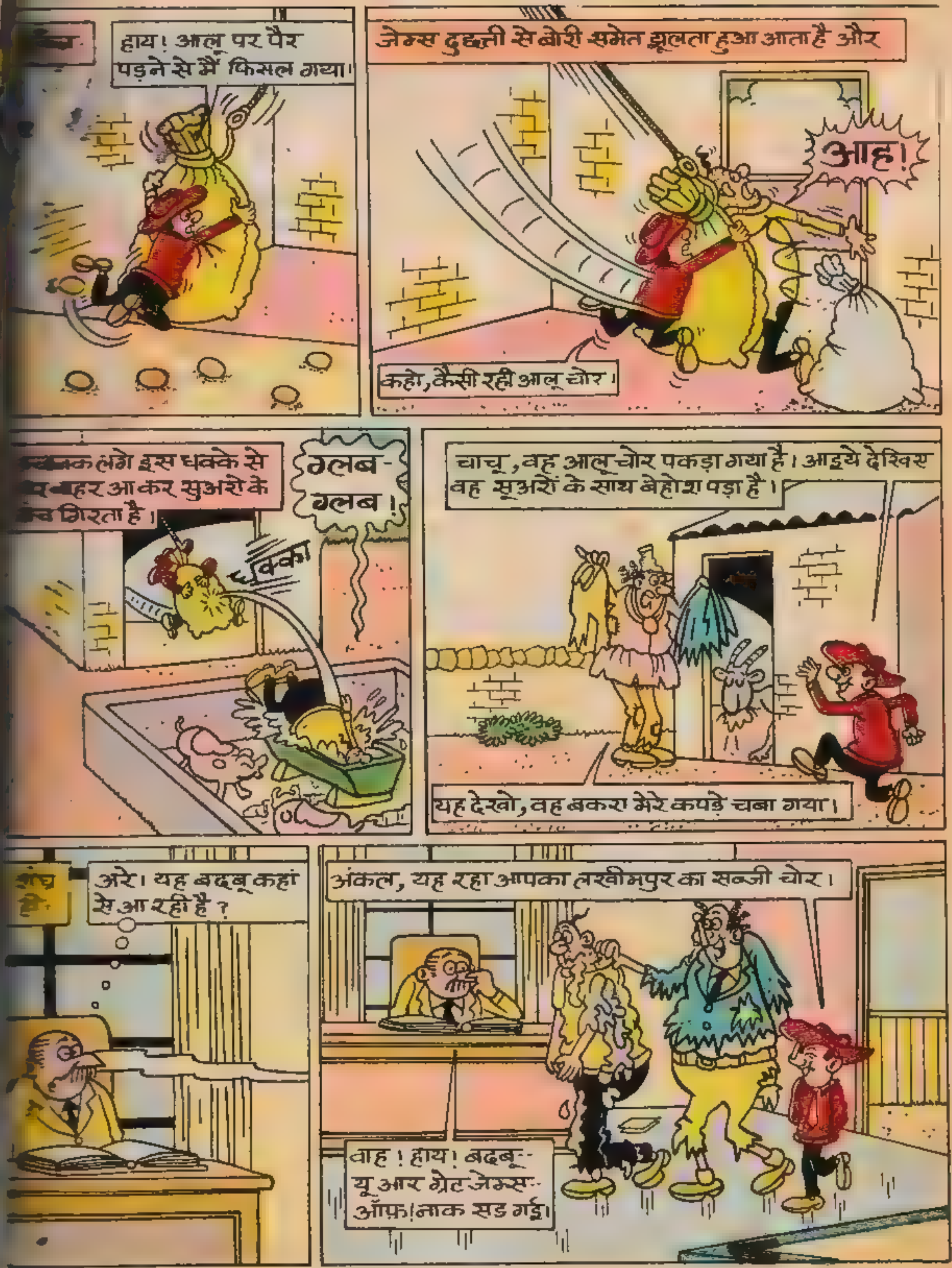

आह! मेरी साइकिल कहां गई?
साइकिल तो उसने चुराई थी चाचू।
थोड़ी देर बाद ऑफिस में -
क्या? मेरी साइकिल कोई चुरा ले गया? गुर्रर - सत्यानाश हो तुम्हारा। तुमसे कभी कोई काम कहो, तो तुम पानी फेर कर चले आते हो।
इसी वक्त जाओ और मेरी प्यारी खानदानी
खोज कर लाओ --- वरना अपनी शक्ल
दिखाना ---
हाय! अब मै साइकिल को कहां खोजूं? जेम्स भी पता नहीं कहां गायब हो गया?
चोर का पता लगाते-
दोपहर हो जाती है,
उसका पता-ठिकाना
मिलता है।
हे भगवान! अब तो भूख भी लगने लगी है।
तभी
वाह! जेम्स दुकान से समोसे खरीद कर निकल रहा है।


चाचू को इतनी तेज भूख लगी थी कि वे लपककर एक समोसा मुंह में डाल लेते हैं।
क्या करूं जेम्स--- मुझे बड़ी तेज भूख लग रही है।
लेकिन तभी
हाय। मेरा मुंह जल गया!
आह! पानी---पानी---कंबख्त कितने गर्म समोसे बनाते हैं।
पानी के लिए जैसे ही चाचू मुड़ते हैं कि पाइपवाले आदमी से जा टकराते हैं।
आह!
माफ करना भाई।
धक्क
पकड़ो-पकड़ो उस साइकिल वाले ने मेरी घड़ी चुरा ली।
और वह पाइप चोर की साइकिल के पहिए में जा फंसता है।
चाचू, यही है आपकी साइकिल चुराने वाला चोर।
शीघ्र ही-
सर, यह रहा चोर---और आपकी साइकिल बाहर खड़ी है।
शाबाश! बहुत खूब। मैं तुमसे बहुत खुश हूं चौधरी। मेरी तरफ से तुम्हारी बाकी के आधे दिन की छुट्टी।


इससे पहले कि बॉस अपनी साइकिल की
हालत देखें, आप यहां से खिसक लें।
हाय!
अगले दिन सुबह चाचू और जूनियर जेम्स बॉंड आलू चोर की जासूसी के लिए लखीमपुर गांव की ओर रवाना होते हैं।
501
हम ए-वन जासूसी कंपनी से आए हैं। क्या आप ही रामखिलावन हैं ?
जी हां मालिक, हमैईं रामखिलावन हैईं। आइये पहिले थोड़ी लस्सी पी लीजिए फिर पूरी बात करेंगे।
नहीं काका, पहले तो हम उस चोर को पकड़ेंगे फिर बाद में आराम से खायेंगे-पीयेंगे।
बस आप हमें यहां अकेला छोड़ दीजिए।
जाइसन आप बाबू लोगों की मरजी।
जाता है।
अब शुरूआत कहां से की जाए ?
मेरे ख्याल से आप चिड़ियों को डराने वाले पुतले के कपड़े पहन लीजिए और उसकी जगह खड़े हो जाइये।
वाह! तुम्हारा भी जवाब नहीं जेम्स! चोर जैसे ही आयेगा, मैं उसे धर दबोचूंगा।
और मैं गोदाम में छिप कर चोर का इंतजार करता हूं।



गोदाम के अंदर
मैं यहां लकड़ी की दुछत्ती पर चढ़ कर बैठता हूं।
शीघ्र ही-
मैं अपने कपड़े इस झोपड़े में टांग देता हूं।
अच्छा! तो रामखिलावन ने शहर से जासूसों को बुलवाया है। मैंने भी इनकी खटिया खड़ी नहीं की तो मेरा भी नाम बिरजू चोर नहीं।
अब मैं चिड़ियों को डराने वाला पुतला बन कर खड़ा हो जाऊं।
ही- -ही---ही--- अब मैं इस ठिलिया को ढकेल दूं।
पुतला बने जेम्स के चाचू।
बेचारा आलू चोर! उसे क्या मालूम कि इस पुतले में दुनिया का मशहूर जासूस छिपा हुआ है। वह जैसे ही---
हो--हो--हो - मैंने शहरी जासूस की जासूसी को मिट्टी में मिला दिया। अब मैं आलू की बोरियां पार करूं।
हाय! मैं मर गया!
गोदाम के अंदर
वाह! आज तो दरवाजे पर ही बोरियां पड़ी हुई हैं।
अरे वाह! चोर आ गया। मैं पहले इस बोरी के पीछे छिप कर देखूं कि यह क्या करता है? फिर चुपके से इसका पीछा करूंगा।


हाय! आलू पर पैर पड़ने से मैं फिसल गया।
जेम्स दुछत्ती से बोरी समेत झूलता हुआ आता है और
आह!
कहो, कैसी रही आलू चोर।
बाहर आ कर सुअरों के
गिरता है।
गलब-गलब।
धक्का
चाचू, वह आलू चोर पकड़ा गया है। आइये देखिए वह सूअरों के साथ बेहोश पड़ा है।
यह देखो, वह बकरा मेरे कपड़े चबा गया।
अरे। यह बदबू कहां से आ रही है?
अंकल, यह रहा आपका लखीमपुर का सब्जी चोर।
वाह! हाय! बदबू-- यू आर ग्रेट जेम्स-- ऑफ़! नाक सड गई।

मूर्खिस्तान





प्रश्न 1.

अगर दुनिया में एक भी मूर्ख न होता तो क्या होता ?

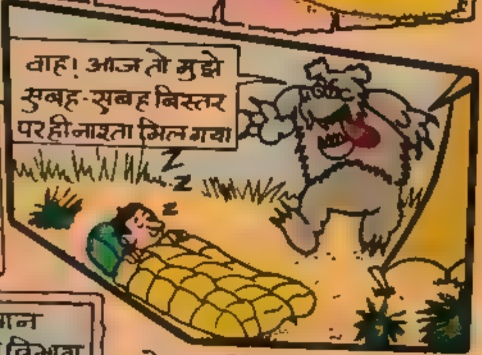


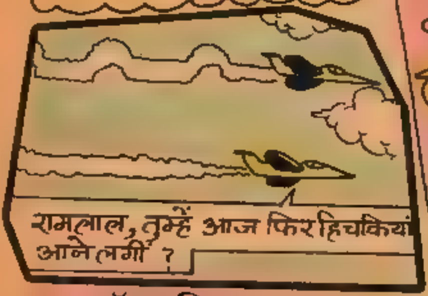
प्रश्न 2

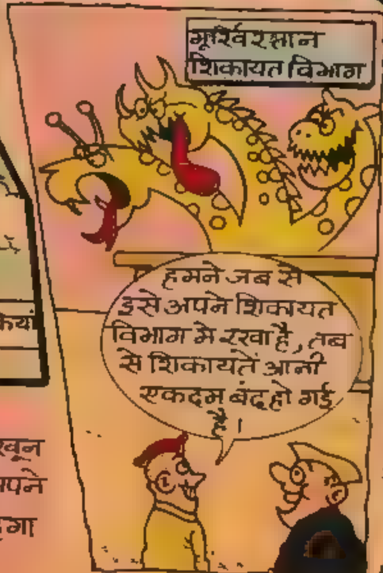
इस चित्र को देखकर कौन सी कहावत याद आ रही है ?











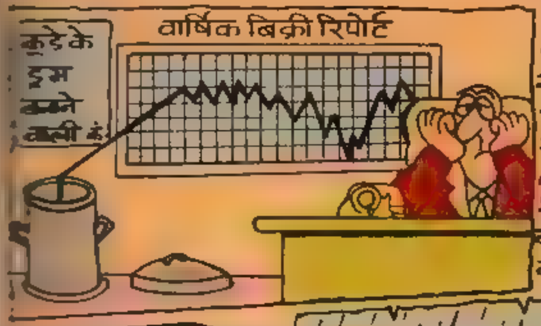
डॉक्टरी सलाह

यदि आपको दांतों से अपने नाखून काटने की आदत है तो आज ही अपने सारे दांत तुड़वा लीजिए। न रहेगा बांस न बजेगी बांसुरी।

मेहमानों से छुटकारा पाइये

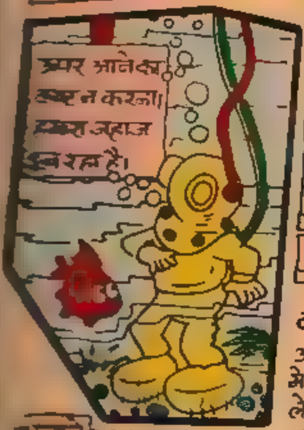
हमारे मूर्खिस्तान के अनुभवी विद्वान श्री भगाऊदास जी ने मेहमानों को भगाने वाली एक पुस्तक लिखी है। इस पुस्तक पर मेहमान एसोसिएशन ने सरकार से मिल कर बैन लगवा दिया है। उसी पुस्तक से हम चोरी छिपे आपको मेहमानों से छुटकारा पाने के उपाये निकाल-निकाल कर बताते रहेंगे। उपाये नंबर एक - मेहमानों के आते ही उन्हें यह खबर दे कि सी बी आई. वाले आजकल आपके संबंध किसी गुप्त संगठन के साथ जोड रहे है तथा आपके यहा आने-जाने वालों की सूची तैयार कर रहे हैं। मेहमान शर्तिया उल्टे पांव भाग जायेंगे।

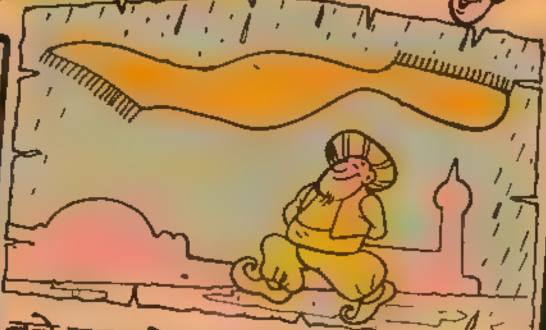
इसी तरह के मेहमान भगाऊ नुस्खे हम समय-समय पर आपको बताते रहेंगे।

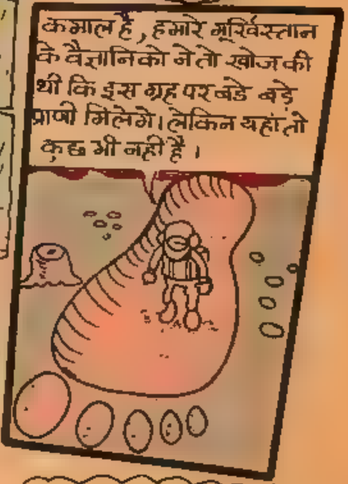


प्रश्न- 3.
महाकंजूस जानकीदास के पास 50 रु. हैं। उन 50 रुपयों में से वह 17 रुपये 20 पैसे टिल्लू को, 23 रुपये 90 पैसे घपलू को तथा 3 रुपये 34 पैसे शीलू को दे देता है, तो तुम बताओ जानकीदास के पास क्या बचेगा?







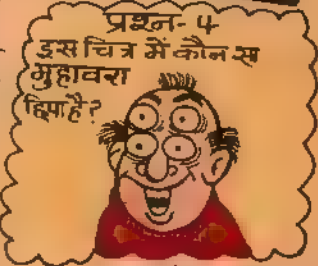


बचे हुए खाने का उपयोग—

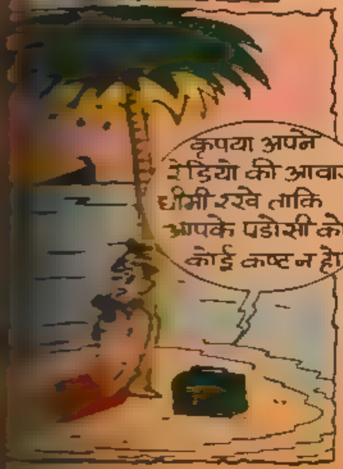
अक्सर आपने गृहशोभा तथा मेरी पहेली आदि पत्रिकाओं में बचे हुए भोजन के व्यंजन बनाने की विधियां पढ़ी होंगी। लेकिन हमारे मूर्खिस्तान की पाक शास्त्र विशेषज्ञा श्रीमती अंगीठी देवी ने जो बचे हुए भोजन का उपयोग बताया है उससे आप सात साल तक खाना खा सकते हैं।

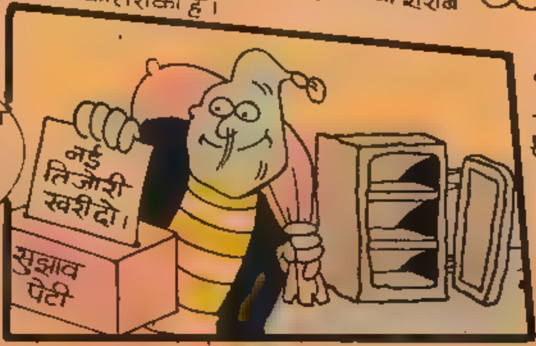
विधि- आप बचे हुए दाल, चावल, रोटियां आदि एक ड्रम में जमा करती जायें। बीस दिनों के बाद ड्रम में छः लीटर खौलता हुआ पानी डालिए। दस दिनों तक इसे पड़ा रहने दीजिए। ग्यारहवें दिन ड्रम को अंगीठी पर रख कर उबालना शुरू करें। ड्रम से जो बदबू निकलेगी उससे आपके पड़ोसी थाने में आपकी रिपोर्ट कर देंगे।

पुलिस वाले कम से कम सात साल तक आपको जेल में रखेंगे और आपको मुफ्त में रोटियां तोड़ने का अवसर मिलेगा, क्योंकि हमने जो बचे हुए भोजन के उपयोग का तरीका बताया है, वह कच्ची शराब बनाने का तरीका है।









उत्तर

1. तो आप मूर्खिस्तान कॉलम की जगह कुछ और ही पढ़ रहे होते
2. पांचो उंगलियां घी में।
3. हो-हो-हो-महाकंजूस लोग किसी को फूटी कौड़ी भी नहीं देते, इसलिए सारे पैसे महाकंजूस जानकीदास के पास ही रहेंगे।
4. आंखें चार होना।

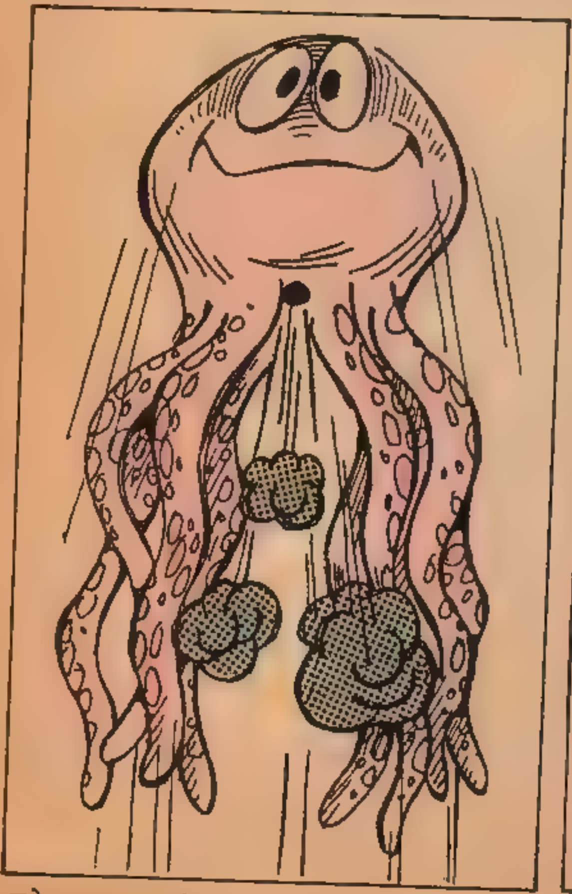
रोचक जानकारियाँ

• सुखवंत

अनोखा तैराक ऑक्टोपस

ऑक्टोपस के आठ हाथ होते हैं, पर वह उससे तैरता नहीं है। अपने हाथों का इस्तेमाल वह समुद्र की सतह पर चलने और भोजन को पकड़ने के लिए करता है।

पानी में तैरने के लिए वह अपने शरीर में बने छेदों से पानी खींच कर सिर के नीचे स्थित छेद से उसे बड़ी जोरों से बाहर फेंकता है। पानी फेंकने का वेग इतना ज्यादा होता है कि ऑक्टोपस उसकी सहायता से बड़े आराम से पीछे की तरफ तैरने लगता है।



अगर ऑक्टोपस का एक हाथ कट जाता है तो उसी जगह पर एक और नया हाथ निकल आता है।

ऑक्टोपस की बाहरी त्वचा का सम्बन्ध स्नायु तंत्र से होता है। त्वचा में विभिन्न रंग के कोष होते हैं। किसी भी तरह की उत्तेजना का उसके ऊपर असर पड़ता है और उसका रंग बदल जाता है। वह नीले, बैंगनी, भूरे, लाल, सिलेटी और सफेद रंग में बदल जाते हैं। कभी-कभी तो उसके ऊपर धारियां भी पड़ जाती हैं।



खून की प्यासी

पेड़-पौधों के रस को पीकर नर मच्छर जिन्दा रहता है। पर मादा मच्छर के साथ ऐसी बात नहीं है। उसे मनुष्यों और जानवरों के खून से पौष्टिक आहार मिलता है।

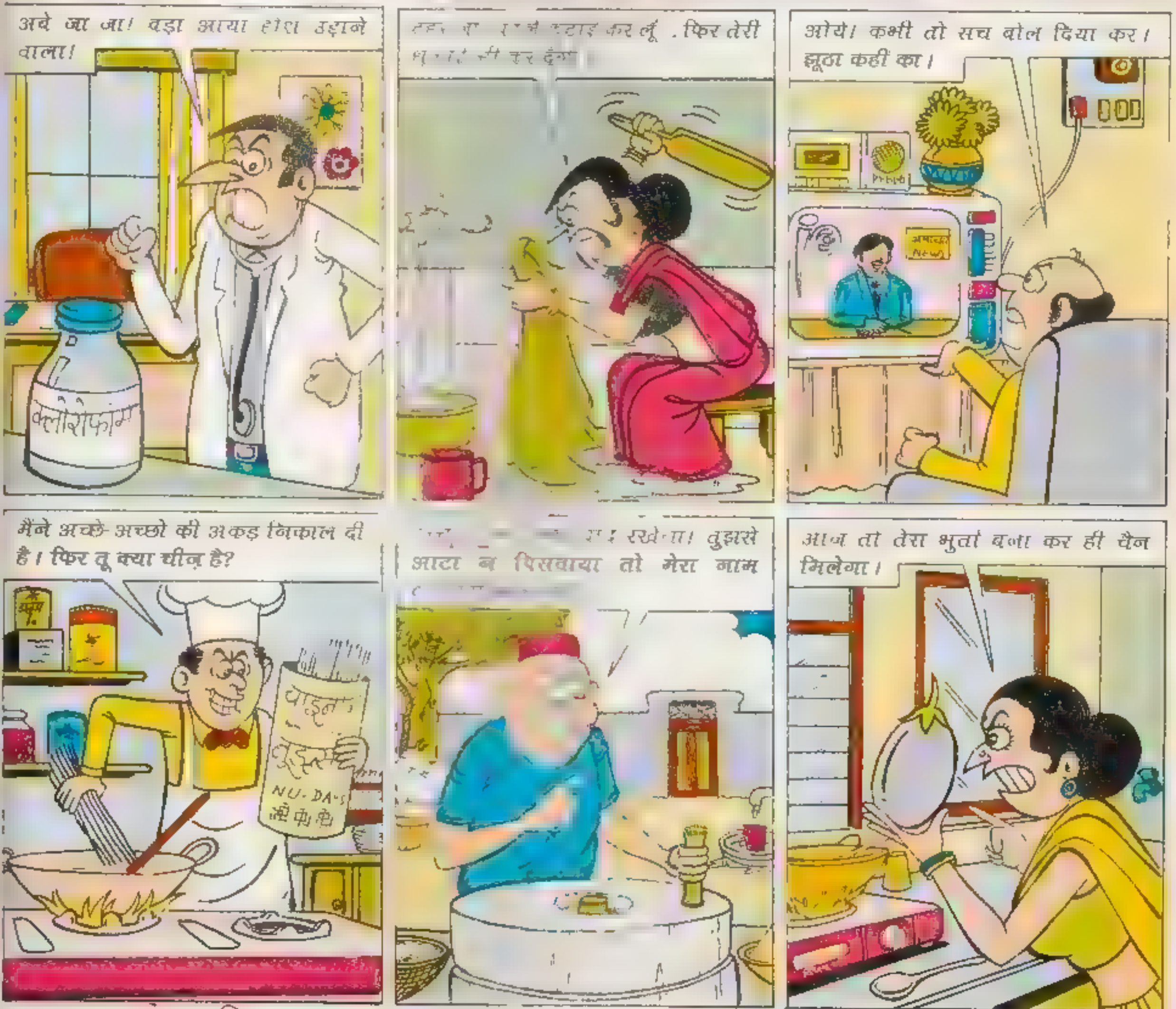
मादा मच्छर अपनी सुई जैसी नुकीली चोंच से मनुष्य या जानवरों का खून चूसती है और करीब 1-2 बूद खून पी जाती है। साधारणत: जब सुई चुभ जाती है तो खून की बूंद शरीर पर जम जाती है। पर मादा मच्छर मनुष्य या जानवर को जब काटती है तो उसके मुंह से एक प्रकार का तरल पदार्थ निकलता है, जिसके कारण खून जम नहीं पाता है और इसी तरल पदार्थ के कारण, जो मनुष्य के शरीर की त्वचा के भीतर रह जाता है, खुजली होने लगती है।



चेतावनी - मूर्खिस्तान में अक्ल का इस्तेमाल करना कानूनन जुर्म है।
मूर्खिस्तान
राष्ट्रीय ध्वज
राष्ट्रीय पशु
राष्ट्रीय गीत
राष्ट्रीय फूल
राष्ट्रीय खेल
राष्ट्रीय मानचित्र
राष्ट्रीय पर्व मूर्ख दिवस 32 जुलाई
राष्ट्रपति
भाषाई प्रश्न
क्या है जो दुनिया भर की सारी भाषाएं बोल सकता है
स्कूल नहीं गया
पहाड़
प्रश्न ध्रुवों का
उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव के
क्या तुम्हें पक्का यकीन है, ये नया
फिर तुमने उसे बुला लिया? कितनी बार कह चुका हूँ मुझे तुम्हारी हमशक्ल बहन की शक्ल से सख्त नफरत है
आवाज़
लिये एक किलोमीटर
काटिये, चिपकाइये और मज़ा लीजिये।
इस कूड़ेदान में कूड़ा मत डालिए
बहन पिछले चौदह सालों से जेल में अपना खाना इसी तरह से खाते
इसलिये ये आदत...
आप पानी और साबुन की
कोई दूसरा तरीका नहीं

निकालिये भड़ास - पाइये मिठास

मूर्खिस्तान के डॉक्टरों का कहना है कि [illegible] भी दिल और दि[illegible] में बोझ नहीं पालना चाहिये, इससे [illegible] की बीमारियाँ लग जाती हैं। जो लोग यह [illegible] गालियों के जरिये बाहर [illegible] उनका [illegible] जाता है। लेकिन मूर्खिस्तान के विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि [illegible] निकालने से आपका किसी से झगड़ा हो सकता है और सबंध भी बिगड़ सकते है, इसलिये विशेषज्ञों ने यहाँ कुछ [illegible] जिनसे आप गाली दे कर दिल की भड़ास भी निकाल सकते [illegible] और आपका कोई कुछ बिगड़ भी नहीं पायेगा।



अनर्थकारी वाक्य

• मम्मी (बेटे से)-"खालो बेटे, तुम्हारी आँटी का घर है।"
(बेटा घर खा लेगा तो आँटी कहाँ जायेंगी ?)

• अखबार में छपी एक खबर-'हमें खेद है कि कल जिन नेता जी की मृत्यु का समाचार हमारे यहाँ छपा था वह गलत था। नेता जी अभी जिंदा हैं।'
(खेद समाचार गलत छपने पर है या नेता जी की मृत्यु न होने पर ?)

• पति "तुम्हारे हाथों के बने परॉठों का तो जवाब नहीं"
(क्या आलू और गोभी के परॉठों से भी ज्यादा स्वादिष्ट है ?)

• रामलाल पूरी तरह से कर्ज़ में डूब गया है।
(बेचारा तैरना नहीं जानता होगा।)

उत्तर: नहीं इंसानियत भी कोई चीज़ है।

उत्तर: प्रतिध्वनि (AN ECHO)

दार बन जाएगा।
बड़ा के कारण
तीरो क़बीले को
बीले पर कब्ज़ा

के साथ क़बीले
बोला, "चूंकि
की सज़ा सुनाई

हा कि यह पत्र
क्या करोगे?"
चिन्तित स्वर में
?"
नो।" यह कह
गा।"
ड़ा का हरकारा
ह पत्र उसे सौंप

था कि सरदार
बीले वासी भी

लिया गया।
भाषा आती थी,
।
। यह जानकर

ने लगे।
को भी पकड़

की उसी समय

नो मौत के घाट

नी आसानी से
जैसा बुद्धिमान

नहीं, सम्पूर्ण
वहाँ से चल



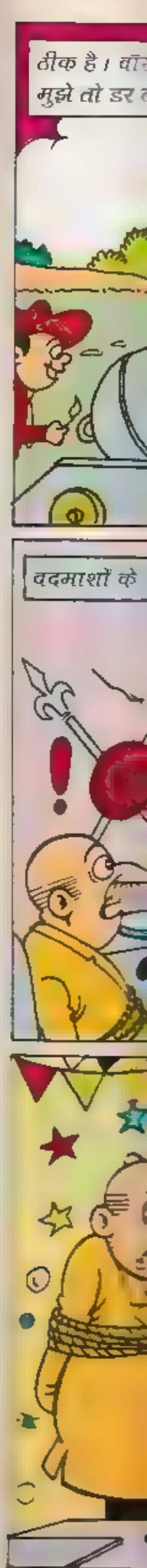


चाचू, आपने चाची को नाराज कर दिया। कभी कभी उनको भी सरप्राइज गिफ्ट...
ओये, आजकल हर चीज के प्राइज सुन कर सिर चकराने लगता है। ऐसे में सरप्राइज गिफ्ट कहाँ से लाऊँ?
ठीक उसी समय चाचू के बॉस के घर
तेरी जासूसी कंपनी ने हमारे बहुत सारे साथी सलाखों के पीछे पहुँचाये हैं। आज से तू हमारा बंदी है।
तेरी जगह, अब हमारा ये साथी यानि तेरा हमशक्ल काम करेगा।
हा...हा...हा....
... बॉस को ले जाते हैं।
... का मजा। ए. वन जासूसी कंपनी का बैंड ... अपना नाम धनराज नहीं।
अगले दिन
जेम्स, आओ तुम भी मेरे साथ ऑफिस चलो। आज बहुत सारा काम करना है। तुम साथ रहोगे तो मेरी हेल्प हो जायेगी।
ओ. के. चाचू, चलिये।
ऑफिस के बाहर
... शाबाश! अब कस के ... खींचो. देखना टाइट बाँधना।
ये लोग ऑफिस के बाहर सजावट क्यों कर रहे हैं?

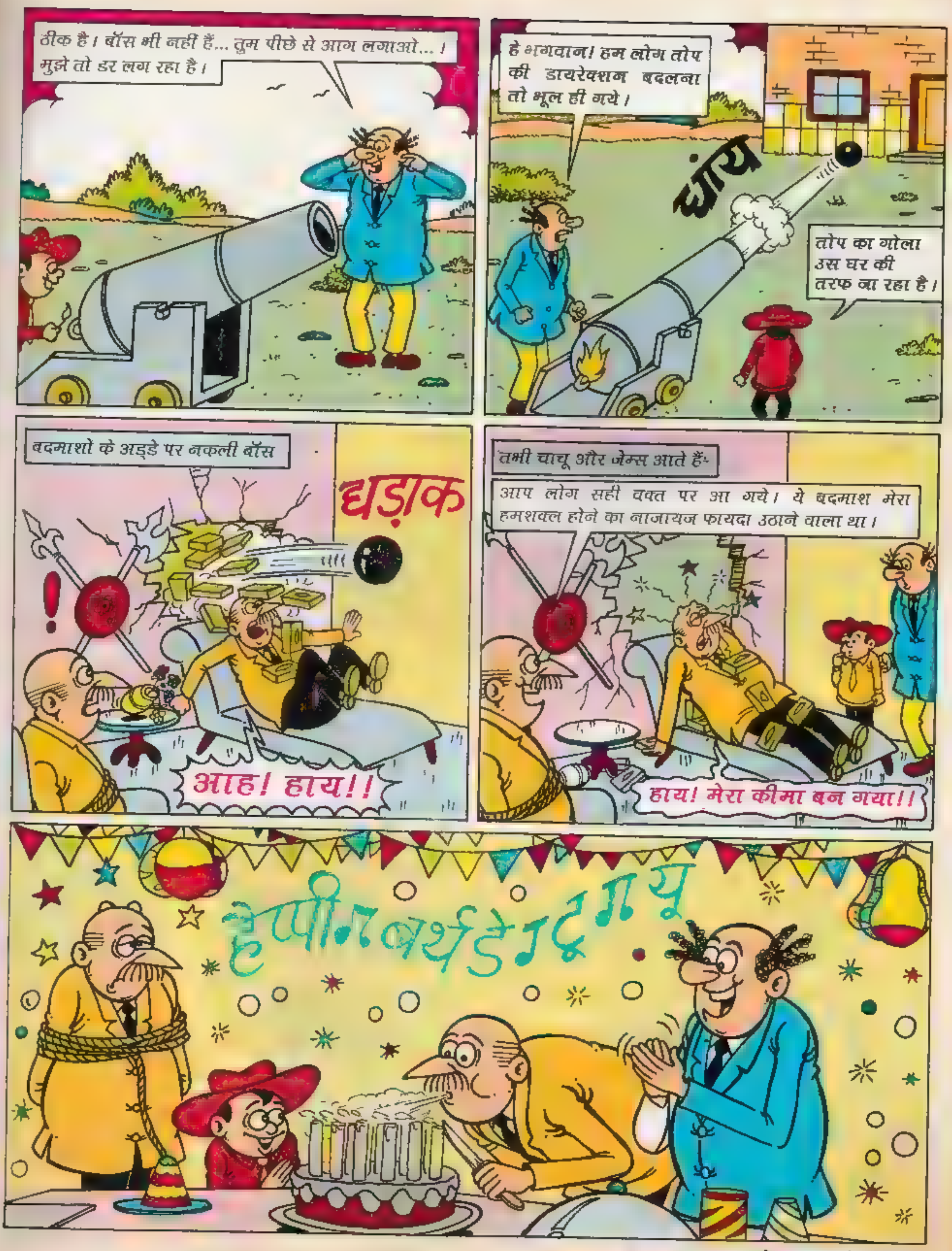


रस्सी अटक रही है . मैं झटका देकर खींचूँ।
ओये! सभल के!!
आई एम सॉरी अकल!
क... कोई बात नहीं   हाय!
सॉरी सर, आप अंदर जा कर आराम से बैठिये।
गर्रर! अजीब नमूने लोग हैं।
जेम्स, इस वार हमने बॉस का सलामी देने के लिये एक पुरानी तोप का भी इतजाम किया है।
तोप? अरे वाह! क्या उसमें गोले भी डाले जायेंगे?
हॉं, गोले ऑफिस के पिछवाड़े वाले स्टोर में छुपा कर रखे हैं। तू उन्हें ड्रम समेत उठा ला।
ठीक है चाचू, मैं गया और आया।
चाचू का नकली बॉस राउंड पर निकलता है
मुझे इनके ऑफिस के चप्पे-चप्पे पर नजर रखनी चाहिये।


अब फटाफट ये गोले मैं चाचू को दे आऊँ।
धड़ाक
आह!
उफ! अब मैं जाकर आराम करूँ।
ऑफिस के पास ही बदमाशों के अड्डे पर-
क्या बात है धनराज, तुम वापिस क्यों आ गये... तुम्हें तो इस वक्त ए. वन जासूसी कपनी के ऑफिस में होना चाहिये।
हाँ, लेकिन मेरा सिर दर्द के मारे बुरा हाल है। मैं थोड़ा रेस्ट करूँगा।
ठीक है। हम सब लंच के लिये बाहर जा रहे हैं। तुम इस असली वाले पर नज़र रखना।
ओ. के. तुम लोग बेफिक्र रहो।
इसमें गोला डाल कर हम पूरी तैयारी कर लें।
हमें एक गोला दाग कर इस पुरानी तोप का चैक भी कर लेना चाहिये। कहीं ऐन मौके पर यह धोखा न दे जाये।



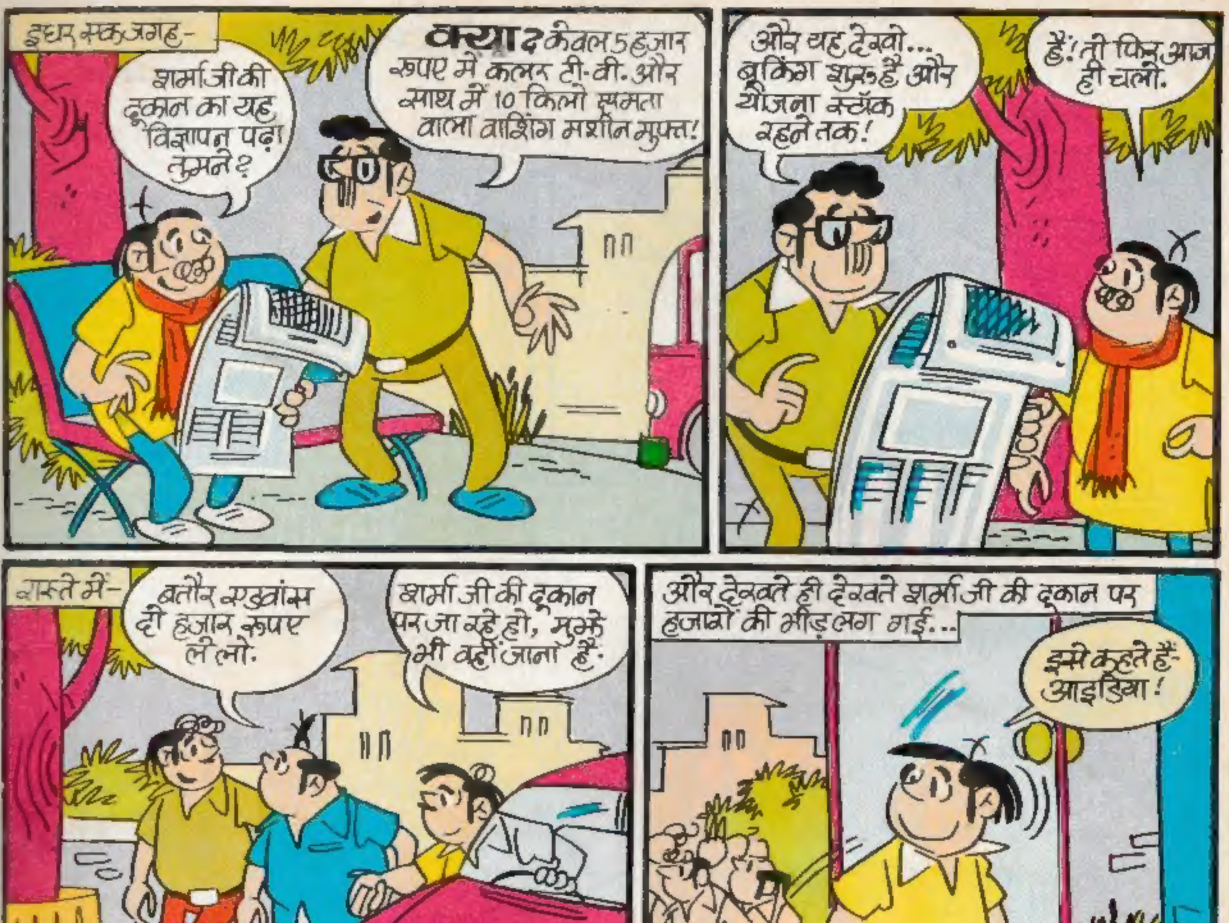




ठीक है। बॉस भी नहीं हैं... तुम पीछे से आग लगाओ...! मुझे तो डर लग रहा है।
हे भगवान! हम लोग तोप की डायरेक्शन बदलना तो भूल ही गये।
धांय
तोप का गोला उस घर की तरफ जा रहा है।
बदमाशों के अड्डे पर नकली बॉस
धड़ाक
आह! हाय!!
तभी चाचू और जेम्स आते हैं:-
आप लोग सही वक्त पर आ गये। ये बदमाश मेरा हमशक्ल होने का नाजायज फायदा उठाने वाला था।
हाय! मेरा कीमा बन गया!!
हैप्पी बर्थ डे टू यू



करामाती मीकू
और
नई योजना
नरिंद्र
कथा• मनोरंजन अंधकार
क्या बात है यार गोलू, कुछ दुखी दीख रहे हो?
हां यार. पापा का बिजनैस अच्छा नहीं चल रहा.
मुझे भी बताओ, शायद कुछ मदद कर सकूं.
हमारी बिजली के उपकरण बेचने की दूकान है. पर धंधा बिलकुल मंदा है.
मीकू गोलू के साथ दूकान पर पहुंचा.—
शर्मा इलेक्ट्रिकल्स.
देखिए अंकल. आजकल बिना स्कीम के कोई चीज नहीं बिकती है.
पर कौन सी स्कीम शुरू करूं?
वो सब आप मीकू पर छोड़ दें.


इधर एक जगह-
शर्मा जी की दूकान का यह विज्ञापन पढ़ा तुमने?
क्या? केवल 5 हज़ार रुपए में कलर टी·वी· और साथ में 10 किलो क्षमता वाली वाशिंग मशीन मुफ्त!
और यह देखो... बुकिंग शुरू है और योजना स्टॉक रहने तक!
हैं! तो फिर आज ही चलो.
रास्ते में-
बतौर एडवांस दो हज़ार रुपए ले लो.
शर्मा जी की दूकान पर जा रहे हो, मुझे भी वहीं जाना है.
और देखते ही देखते शर्मा जी की दूकान पर हजारों की भीड़ लग गई...
इसे कहते हैं- आइडिया!
यहां तक कि भीड़ को संभालने के लिए पुलिस बुलानी पड़ी.
मेरा तो रुपया गिनते-गिनते दम निकल जाएगा.
शर्मा जी बदहवास थे.-
टीकू बेटे· तुमने बुकिंग तो करवा दी, पर डिलीवरी का समय आएगा, तो हम क्या करेंगे?


और इधर मीकू ने ढेर सारा माल मंगवा लिया.
डिलीवरी डे.-
म-मीकू बेटे. अ-अब तुम ही संभालो.
डिलीवरी स्टार्ट-
यह क्या है?
वह तो ब्लैक एंड व्हाइट टीवी है! धोखा!
कोई धोखा नहीं.
अंधा भी बता सकता है कि...
तो क्या टी. वी. का नाम 'कलर' है?
जी, पर यह 'कलर' कंपनी का टी.वी. है.
दूसरा ग्राहक-
चलो, वाशिंग मशीन दिखवाओ.
जी बिलकुल. यह रही.
बाल्टी?
बाल्टी होगी तुम्हारे लिए!
हमलोग तो अपना कपड़ा इसी में धोते हैं. प्योर इंडियन वाशिंग मशीन!
क्या!?
© INTERCOSMOS MOVIE FEATURES,1998

समाप्त.

नई पीढ़ी के बच्चों का सम्पूर्ण मासिक

अप्रैल 1999

नन्हे सम्राट



कल्लन कबाड़ी–
जुम्मन पनवाड़ी

जांगू–
जान हथेली पर

टी.वी. चस्का–
पहनाये चश्मा

मिला प्यार–
बना समझदार

छोटी लकीर–
बड़ी लकीर

अनोखा काम–
दाढ़ी में आम

शाम–सवेरे–
बर्फ के घेरे

10/-